आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ. रजि.नं. मालवा डिबी./04/2024-26

नं. 1 क्षेत्रीय अखबार

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 40 अंक 12 | इंदौर, बुधवार 12 अगस्त, 2026 | श्रावण कृष्णा 14 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

सीरिया में पूर्व राष्ट्रपति असद को फांसी की सजा

दमिश्क। सीरिया की एक अदालत ने मंगलवार को देश के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद और उनके छोटे भाई माहेर अल-असद को फांसी की सजा सुनाई। दोनों को गृहयुद्ध के दौरान लाखों लोगों की हत्या और अत्याचार के मामलों में दोषी ठहराया गया। इसी मामले में बशर अल-असद के मामा के बेटे अतीफ नजीब को भी फांसी की सजा सुनाई गई। बशर और माहेर दिसंबर 2024 में सरकार गिरने के बाद रूस भाग गए थे। पुतिन सरकार ने उन्हें शरण दी हुई है। दोनों की गैरमौजूदगी में सजा सुनाई गई। अतीफ नजीब को जनवरी 2025 में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें मंगलवार को कैदी की वर्दी पहनाकर पिंजरे में कोर्ट लाया गया।

सुभाष चंद्र बोस की बेटी पहुंचीं सुप्रीम कोर्ट तो केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। 18 अगस्त को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 81वीं पुण्यतिथि है। इससे ठीक पहले नेताजी की बेटी अनीता बोस फाफ ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने याचिका में अपने पिता के पार्थिव अवशेषों को जापान से वापस लाने की अपील दोहराई है। सुप्रीम कोर्ट ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की अस्थियों के मामले में केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। बताया जाता है कि ये अस्थियां टोक्यो के रेनकोजी मंदिर में रखी हुई हैं। अगस्त 1945 में नेताजी के गायब होने को लेकर कई तरह की बातें कही जाती रही हैं। अब सुप्रीम कोर्ट में याचिका जाने के बाद शीर्ष अदालत ने इस मामले में जवाब के लिए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है।

इंदिरा गांधी के हत्यारे का बेटा लड़ेगा पंजाब चुनाव

अमृतसर। अकाली दल (वारिस पंजाब दे) ने पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 चुनाव के लिए अपना पहला उम्मीदवार घोषित कर दिया है। पार्टी ने बस्सी पठाना विधानसभा सीट से सतवंत सिंह को उम्मीदवार बनाया है। सतवंत, केहर सिंह के बेटे हैं, जिसे इंदिरा गांधी हत्याकांड में फांसी हुई थी। सतवंत सिंह की उम्मीदवारी की घोषणा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तरसेम सिंह ने की। तरसेम सिंह जेल में बंद खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह के पिता हैं। पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की 31 अक्टूबर 1984 को उनके दो सुरक्षाकर्मियों बेअंत सिंह और सतवंत सिंह ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। केहर सिंह भी हत्या की साजिश में शामिल था।

'मिर्जापुर द मूवी' का ट्रेलर रिलीज

मुन्ना भैया और बबलू पंडित की दमदार वापसी

4 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म

मुंबई। 'मिर्जापुर द मूवी' का ऑफिशियल ट्रेलर मंगलवार (11 अगस्त) को जारी कर दिया गया है। ट्रेलर में मुन्ना भैया यानी दिव्येंदु शर्मा की दमदार वापसी दिखाई गई है। ट्रेलर में मिर्जापुर की सत्ता, बदले और खून-खराबे का नया अध्याय दिखाया गया है। 3 मिनट लंबे इस ट्रेलर में कालीन भैया, मुन्ना भैया, गुड्डू पंडित और बबलू पंडित के बीच मिर्जापुर की गद्दी को लेकर खूनी जंग और वर्चस्व की कहानी दिखाई गई है। 'भौकाल लाइक नेवर बिफोर' के वादे के साथ आ रही यह फिल्म 4 सितंबर 2026 को हिंदी और तेलुगु में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। ट्रेलर की शुरूआत एक खाली गद्दी और दमदार वॉयसओवर से होती है- गद्दी ना तो विरासत से मिलती है, ना सियासत से... मिलती है तो सिर्फ और सिर्फ बाहुबल से। ट्रेलर में कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) का वही पुराना रौब देखने को मिल रहा है। ट्रेलर में किरदारों को खास टाइटल के साथ पेश किया गया है- कालीन भैया को 'द किंग', मुन्ना भैया (दिव्येंदु) को 'द प्रिंस' और गुड्डू-बबलू (अली फजल और जितेंद्र कुमार) को 'द लायंस' दिखाया गया है।

नैनो न्यूज

- **वाशिंगटन:** ट्रम्प की मीडिया कंपनी को 2200 करोड़ रुपए का घाटा, 3 महीने में सिर्फ 16 करोड़ की कमाई।
- **नई दिल्ली:** पीएम मोदी की इंस्टाग्राम वीडियो में देशवासियों से अपील, हर घर तिरंगा अभियान में शामिल हों।
- **नई दिल्ली:** टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं, अकाउंट फ्रीज रखने का आदेश बरकरार, इनमें पार्टी के 440 करोड़ रुपए जमा।
- **नई दिल्ली:** टाटा-ग्रुप के मुख्य ट्रस्ट एसआरटीटी से विजय सिंह का इस्तीफा, 14 अगस्त को खत्म हो रहा कार्यकाल।
- **बेंगलुरु:** होटल में शख्स ने 2 बेटियों की गला दबाकर हत्या की, फिर सुसाइड की कोशिश की, हालत गंभीर।
- **अरुणाचल:** अरुणाचल सीमा पर फायरिंग में असम के 12 लोग घायल, जमीन कब्जे पर विवाद।
- **असम:** असम सरकार साइंस सिटी के लिए 100 करोड़ देगी, सीएम बोले- मार्च 2027 तक पूरा होने की उम्मीद।

देश के मध्य हिस्से में इस समय एक लो-प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफ सक्रिय

मध्यप्रदेश-राजस्थान समेत 6 राज्यों में 48 घंटे से लगातार बारिश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

- हिमाचल में चलती कार पर पत्थर गिरे
- 259 सड़कें बंद
- 161 बिजली ट्रांसफॉर्मर और 54 पेयजल योजनाएं प्रभावित

मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और छत्तीसगढ़ में पिछले 48 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। भोपाल में दो दिन से बारिश जारी है। यहां 24 घंटे में 7 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। स्कूलों में दो दिन की छुट्टी कर दी गई। शहर में 1,000 से ज्यादा घरों के आसपास 5 फीट तक पानी भर गया।

राजस्थान के 6 जिलों में आज बारिश का ऑरेंज और 17 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में पिछले 24 घंटे में हाड़ौती क्षेत्र (कोटा, बारां, बूंदी और झालावाड़) में 12 इंच तक बारिश हुई।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एनएच-305 पर चलती गाड़ी पर मलबा और चट्टानें गिर गईं। हादसे में गाड़ी सवार दो लोग घायल हो गए, जबकि गाड़ी मलबे के नीचे दब गई। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बीती रात से बारिश हो रही है। इसके चलते राज्य में चंडीगढ़-मनाली फोरलेन समेत 259 सड़कें, 161 बिजली ट्रांसफॉर्मर और 54 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं।

दो सिस्टम एक्टिव होने से कई राज्यों में बारिश

- देश के मध्य हिस्से में इस समय एक लो-प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफ सक्रिय है। उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश और आसपास बना लो-प्रेशर एरिया बारिश करा रहा है। इसके असर से मध्य प्रदेश, राजस्थान के कुछ हिस्सों और आसपास के इलाकों में बारिश की गतिविधियां बनी हुई हैं। आईएमडी ने 11-12 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है।
- वहीं, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में एक और मौसम सिस्टम सक्रिय है। इसके प्रभाव से 12 अगस्त के आसपास लो-प्रेशर एरिया बनने की संभावना है। इसके आगे बढ़ने पर पूर्वी और मध्य भारत के कई हिस्सों में भारी बारिश हो सकती हैं।
- इस बीच, मानसून ट्रफ भी उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश में बने लो-प्रेशर एरिया के केंद्र से होकर गुजर रही है। आसान भाषा में समझें तो अभी बारिश कराने वाले सिस्टम सक्रिय हैं, इसलिए मध्य और पूर्वी भारत में अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

मेडिकल छात्रा की शिकायत पर कार्रवाई

आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक रेप के आरोप में गिरफ्तार

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को रेप केस में गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी मंगलवार को कोलकाता में हुई। यह मामला एक मेडिकल छात्रा की शिकायत पर दर्ज हुआ था, जिसमें पोरेल पर रेप, धमकी और अन्य आरोप लगाए गए हैं।

पीड़ित ने जून में शिकायत दर्ज कराई थी। 23 साल के अभिषेक विकेटकीपर बैटर हैं। वे बंगाल के लिए 116 और आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए 35 मैच खेल चुके हैं। दिल्ली ने उन्हें 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया था। मामला कलकत्ता हाईकोर्ट में चल रहा था। कोर्ट ने 20 जुलाई को गिरफ्तारी का आदेश दिया था। साथ ही आरोपी के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करने के आदेश भी दिए गए थे। अभिषेक सभी आरोपों से इनकार करते आए हैं।

महिला ने तीन साल से संबंध होने का दावा किया

शिकायत के मुताबिक, महिला ने कहा कि वह और अभिषेक पिछले तीन साल से रिश्ते में थे। पिछले साल दोनों के बीच मतभेद शुरू हुए, जिसके बाद क्रिकेटर कथित तौर पर उससे दूरी बनाने लगा। महिला ने आरोप लगाया कि अभिषेक ने उससे शादी करने का वादा किया था, लेकिन अब वह शादी के लिए तैयार नहीं है। शिकायत में उसने कहा कि अभिषेक ने शादी का वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं

बाएं हाथ के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल 2023 से आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे हैं। पिछले सीजन में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए चार पारियों में 108 रन बनाए थे। अभिषेक इससे पहले इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने 2021-22 सीजन में बंगाल के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक 32 फर्स्ट क्लास और 23 लिस्ट अ मैच खेले हैं।

क्रिकेटर ने आरोपों को झूठा बताया था

क्रिकेटर अभिषेक पोरेल इन आरोपों को खारिज कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि अगर उनके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज की गई है, तो आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। यह मामला मोगरा पुलिस स्टेशन में 23 जून 2026 को दर्ज किया गया था।

अमेरिकी राजदूत और एनएसए डोभाल के बीच हाई लेवल मीटिंग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जिओ गोर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के बीच आज हाई लेवल मीटिंग हुई। इस मीटिंग के दौरान अमेरिका-भारत के बीच रणनीतिक सहयोग को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने वैश्विक सुरक्षा की चुनौतियों से निपटने पर चर्चा की। इसके अलावा दोनों ने अमेरिका और भारत के बीच भविष्य के सहयोग को दोहराया। अमेरिकी राजदूत सर्जिओ गोर ने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अमेरिका-भारत के बीच रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ एक सार्थक बैठक हुई। वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के साथ हमारी करीबी साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण है।

स्वतंत्रता दिवस पर पहली बार होगा राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम् का गरिमापूर्ण गायन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीपरिषद की बैठक से पहले किया संबोधित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश 15 अगस्त को देश अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। इस अवसर पर पहली बार राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम् का गरिमापूर्ण गायन होगा, अब तक यह व्यवस्था नहीं थी। स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का गत वर्ष की तरह सभी जिलों में लाइव प्रसारण किया जाएगा। इसके बाद प्रभारी मंत्री अपने जिलों में हुए विकास कार्यों की जानकारी देंगे। देश विभाजन की विभीषिका के संदर्भ में 14 अगस्त को विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा। देश के विभाजन के समय विस्थापन का दंश झेलने वाले और अपने प्राण गवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए यह दिवस मनाया जाएगा। सभी मंत्रीगण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सहभागिता करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में मंत्रिपरिषद् की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केबिनेट की बैठक से पहले कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के वेब पोर्टल को देश में प्रथम पुरस्कार मिलने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिवादन किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संत रविदास के 650वें जयंती वर्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश के अलग-अलग राज्यों में समरसता संकल्प यात्रा जारी है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश में 18 अगस्त से प्रदेशस्तरीय समरसता अभियान का शुभारंभ होगा। इसके बाद सभी मंत्रीगण 20 अगस्त को अपने जिलों में आयोजित कार्यकमों में शामिल होंगे।

स्वतंत्रता दिवस से पहले बीएसएफकैंप में घुसपैठ की कोशिश

एजेंसी ▸▸ श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर में बीएसएफ ने स्वतंत्रता दिवस से पहले 163वीं बटालियन के कैंप में दीवार फांदकर घुसने की कोशिश कर रहे एक संदिग्ध को पकड़ लिया। उसके मोबाइल में पाकिस्तानी नंबरों से कॉल और मैसेज मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। स्वतंत्रता दिवस से पहले राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने रायसिंहनगर स्थित 163वीं बटालियन के कैंप में घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक संदिग्ध को पकड़ लिया। आरोपी बिना अनुमति कैंप की दीवार फांदकर अंदर प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। उसके मोबाइल फोन की जांच में पाकिस्तानी नंबरों से कॉल और मैसेज का रिकॉर्ड मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। बीएसएफ की रिपोर्ट पर रायसिंहनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए संयुक्त पूछताछ केंद्र भी आरोपी से पूछताछ करेगा।

सारंगपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर भीषण सड़क हादसा

धौलपुर के त्रिवेदी परिवार की अर्टिगा कार ट्रक से टकराई, 3 की मौत, दो गंभीर

धौलपुर से उज्जैन महाकाल दर्शन के लिए निकला था, दो बच्चे सुरक्षित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

सारंगपुर से करीब 7 किमी दूर राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सांई बायो फ्यूल पंप के सामने मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगो की मौत हो गई। धौलपुर से उज्जैन महाकाल मंदिर में दर्शन के लिए निकले एक ही परिवार के सदस्यों से भरी अर्टिगा कार क्रमांक आरजे 11 यूए 4989 सड़क किनारे खड़े ब्रेकडाउन डंपर क्रमांक एमपी 04 एचई 5797 में पीछे से जा घुसी। इस भीषण दुर्घटना में परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। कार में सवार दो बच्चे पूरी तरह सुरक्षित हैं।

सारंगपुर पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्थान के धौलपुर निवासी त्रिवेदी परिवार 11 अगस्त की रात्रि अपनी अर्टिगा कार से धार्मिक यात्रा पर उज्जैन के लिए रवाना हुआ था। कार को चालक अब्दुल पिता आबिद खान चला रहा था।

मंगलवार सुबह लगभग 05.30 बजे एनएच-52 पर सांई बायो फ्लयू पंप एवं शिमला होटल के सामने चालक अपनी तेज रफ्तार कार से आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान सड़क के किनारे खड़े एक ब्रेकडाउन डंपर को वह देख नहीं सका और कार क्लीनर साइड की तरफ से डंपर के पिछले हिस्से में तेजी से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला और साइड का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

3 लोगों की मौके पर मौत

पुलिस थाना प्रभारी राहुल सिंह रघुवंशी ने बताया कि दुर्घटना के समय कार में चालक सहित कुल 7 लोग सवार थे। हादसे में त्रिवेदी परिवार के तीन सदस्यों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जिनकी पहचान सोमा पति सुनील त्रिवेदी उम्र 65 वर्ष, अंकुर पिता सुनील त्रिवेदी उम्र 42 वर्ष, अर्चना पति अंकुर त्रिवेदी उम्र 40 वर्ष के रूप में हुई, जबकि कार में सवार निहाल पिता अतुल तिवारी उम्र 22 वर्ष और चालक अब्दुल को काफी गंभीर चोटें आई हैं। हादसे में दो मासूम बच्चे अंश पिता अंकुर त्रिवेदी उम्र 14 वर्ष और तेजस पिता अंकुर त्रिवेदी 10 वर्ष सुरक्षित बच गए हैं।

दैनिक अवन्तिका
www.awantika.com
METROPOLITAN

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का सोमवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

हाथी पर मनमहेश स्वरूप में निकले बाबा महाकाल, मार्ग में श्रद्धालुओं ने की पुष्पवर्षा

महाकाल की दूसरी सवारी में उमड़ा आस्था का सैलाब

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

श्रावण माह के दूसरे सोमवार को बाबा महाकाल की दुसरी सवारी धूमधाम और भक्ति उल्लास के साथ निकली। भगवान श्री महाकालेश्वर पालकी में श्री चन्द्रमोलेश्वर और हाथी पर श्री मनमहेश के स्वरूप में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकले। सवारी के दौरान सड़कें हर-हर महादेव और जय श्री महाकाल के जयघोष से गूंज उठीं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पालकी में विराजित बाबा महाकाल के दर्शन किए और सवारी पर पुष्पवर्षा की।

सभामंडप में पूजन के बाद शुरू हुई सवारी

सवारी से पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री महाकालेश्वर का षोडशोपचार पूजन-अर्चन किया गया। मुख्य पुजारी पं. घनश्याम शर्मा ने पूजन संपन्न कराया। इसके बाद भगवान की आरती की गई। इस अवसर पर संभागायुक्त आशीष सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे और पूजन-अर्चन एवं आरती में शामिल हुए। पूजन के दौरान देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि और विकास की कामना की गई।

एक झलक पाने के लिए उमड़ा जनसैलाब

सवारी के दौरान उज्जैन के साथ-साथ बाहर से आए श्रद्धालुओं में भी बाबा महाकाल के दर्शन को लेकर खासा उत्साह रहा। हजारों श्रद्धालु झांझ, मंजीरे, डमरू और ढोल बजाते हुए सवारी के साथ चलते रहे। पूरे मार्ग में भक्ति और उत्साह का माहौल दिखाई दिया। श्रद्धालु बाबा महाकाल की एक झलक पाने के लिए आतुर नजर आए।

बाबा महाकाल की सवारी में झाबुआ जिले के पेटलावद क्षेत्र के छायन पश्चिम की रामलीला आदिवासी नर्तक मंडली ने भगोरिया लोकनृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी।

7.80 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार सवारी मार्ग पर करीब 7.80 लाख श्रद्धालुओं ने भगवान श्री महाकालेश्वर के श्री चन्द्रमोलेश्वर और श्री मनमहेश स्वरूप के दर्शन किए। सवारी के दौरान पूरा शहर भक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

17 को निकलेगी तीसरी सवारी- बाबा महाकाल की श्रावण माह की तीसरी सवारी 17 अगस्त 2026, सोमवार को निकाली जाएगी।

मंदिर के मुख्य द्वार पर दिया गार्ड ऑफ ऑनर

भगवान श्री चन्द्रमोलेश्वर पालकी में सवार होकर अपनी प्रजा का हाल जानने और भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। पालकी जैसे ही श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में सवार भगवान श्री चन्द्रमोलेश्वर जी को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दी गई। इसके बाद सवारी निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ी। सवारी के आगे श्री महाकालेश्वर मंदिर का बैंड, लोक कला दल और जनजातीय कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देते हुए चल रहे थे। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने जय श्री महाकाल के जयघोष के साथ पालकी में विराजित श्री चन्द्रमोलेश्वर और हाथी पर सवार श्री मनमहेश स्वरूप पर पुष्पवर्षा की।

रामघाट पर क्षिप्रा जल से हुआ अभिषेक

बाबा महाकाल की सवारी महाकाल मंदिर से गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार और कहारवाड़ी होते हुए रामघाट पहुंची। यहां भगवान श्री चन्द्रमोलेश्वर और श्री मनमहेश का मां क्षिप्रा के जल से अभिषेक और पूजन-अर्चन किया गया। रामघाट पर शंखनाद के बीच विधिवत पूजा हुई और भगवान की आरती की गई। पूजन के बाद सवारी रामघाट से रामानुजकोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा और छत्री चौक होते हुए गोपाल मंदिर पहुंची।

गोपाल मंदिर में हुई परंपरागत पूजा

गोपाल मंदिर पहुंचने पर परंपरानुसार सिंधिया स्टेट की ओर से गोपाल मंदिर के पुजारी ने पालकी में विराजित श्री चन्द्रमोलेश्वर का पूजन किया। इसके बाद सवारी पटनी बाजार और गुदरी चौराहा होते हुए पुनः श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। मंदिर में आरती के बाद सवारी का विश्राम हुआ।

खुसूर-फुसूर

बढते श्रद्धालू, कम पडते प्रबंध...

श्रावण के आने के साथ ही धर्मनगरी में श्रद्धालुओं के आने का क्रम बढता ही जा रहा है। श्रावण के प्रारंभा में यह लग रहा था कि यह संख्या बल प्रारंभिक दौर का है अगले सप्ताह से इसमें कमी आना शुरू हो जाएगी और भादौ मास में फिर से यह संख्या बल सामने आएगा। इस अनुमान को भी श्रद्धालुओं की आस्था ने नकारते हुए संख्या बल को बरकरार रखा है। दो लाख प्रति दिन के अनुमान के विपरित अभी तो सप्ताह के तीन दिनों में सीधे डबल आंकडा श्रद्धालुओं का आ रहा है और शहर भर में खासा उत्सव सा माहौल बन रहा है। इसके साथ ही कावडिए भी बराबर प्रति दिन ही आ रहे हैं। प्रति दिन बढते श्रद्धालुओं के आंकडे के सामने प्रबंध कम पडने की स्थिति बराबर बन रही है। पिछली सवारी के दौरान मंदिर में 6 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे और सवारी के दर्शन के दौरान मार्ग पर 8 लाख से अधिक । दर्शनों का सिलसिला जमकर और अटूट वाला क्रम मंदिर में चल रहा है। श्रद्धालुओं की बढती आस्था प्रबंधन के लिए भी आश्चर्य है और हर बार बढाकर किए जाने वाले प्रबंध के बावजूद श्रद्धालुओं की बढती संख्या प्रबंध करने का नया उत्साह भी कायम कर रही है। धर्मनगरी में आने वाले महाआयोजन का प्रति दिन एक ट्रायल हो रहा है। शहर में न सही लेकिन मंदिर में तो यही स्थिति कायम है। बाजारों में अवकाश दिवस में भी बडी रौनक लौट आई है और श्रद्धालुओं के कारण यह रौनक चरम तक पहुंच रही है। खुसूर-फुसूर है कि धर्मनगरी में महाआयोजन निर्माण के दरमियान ही अच्छी खासी रौनक श्रद्धालुओं के कारण लौटी हुई है।ऐसे में श्रद्धालुओं के सुविधार्थ सिर्फ मंदिर ही नहीं मार्गों पर सेवा के काम को अंजाम दिया जाना चाहिए। प्रत्येक मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए कम से कम साफ स्वच्छ पानी की सुविधा तो जुटाई ही जा सकती है। ऐसे स्थानों पर इस व्यवस्था को जुटाया जाए जिससे आमजन आते जाते इसका उपयोग कर सके । अभी तो कावडियों को भी नगर प्रवेश के बाद पानी भी खरीद कर पीना पडा है। ये जरूर है कि मंदिर समिति ने कावडियों के लिए खाने की व्यवस्था जुटाई है पर उसको लेकर पर्याप्त सूचनाओं का अभाव ही है।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड और नगर निगम को फटकार लगाई

पौराणिक सप्त सागर में से 6 का पानी 'नहाने लायक भी नहीं'

30 दिन में सुधार के आदेश, अतिक्रमण हटाने को लेकर भी स्पष्ट कहा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

बाबा महाकाल की नगरी के पुराण उल्लेखित सप्त सागरों का पानी गंदगी से सना हुआ है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की भोपाल सेंट्रल बेंच ने 4 अगस्त को दिए और आदेश में कहा कि 6 सरोवरों का पानी नहाने लायक भी नहीं बचा है। अधिकरण ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और उज्जैन नगर निगम आयुक्त को तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने और सरोवरों के आसपास से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई 4 सितंबर 2026 को होगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन 7 सरोवरों में स्नान और पूजा का विशेष महत्व है हालांकि अब इनका पानी ही आस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।

प्रदुषण बोर्ड की रिपोर्ट में खुलासा

राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपी अपनी रिपोर्ट में मध्यप्रदेश प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड ने माना कि रत्नाकर सागर को छोड़कर बाकी 6 सरोवरों – रुद्र सागर, क्षीर सागर, पुरुषोत्तम सागर, विष्णु सागर, पुष्कर सागर और गोवर्धन सागर – का पानी मानकों के हिसाब से खराब है। रिपोर्ट में फीकल कोलीफॉर्म और टोटल कोलीफॉर्म की मात्रा केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड की तय सीमा से कई गुना ज्यादा पाई गई। मध्यप्रदेश प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड ने ये भी कहा कि सरोवरों में बिना ट्रीटमेंट का पानी नहीं छोड़ा जा रहा।

अधिकरण नाराज – 'श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़'–

राष्ट्रीय हरित अधिकरण के जस्टिस शियो कुमार सिंह और एक्सपर्ट मेंबर सुधीर कुमार चतुवेर्दी की बेंच ने तल्ख टिप्पणी की। ₹फीकल कोलीफॉर्म का ज्यादा होना सीधे तौर पर दशार्ता है कि सरोवरों में सीवेज मिल रहा है। मध्यप्रदेश प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड और नगर निगम ने इसके कारण नहीं बताए और न ही कोई कार्रवाई की। प्रदूषित पानी को पूजा और अन्य कामों के लिए इस्तेमाल करने देना सीधे श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य और आस्था से खिलवाड़ है।

अतिक्रमण पर भी सवाल

याचिकाकर्ता प्रशांत मौर्य और बाकिर अली रंगवाला की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने कहा कि अनुविभागीय दंडाधिकारी की अध्यक्षता वाली कमेटी ने सप्त सागरों की डिमार्केशन कर रिपोर्ट दे दी है। उसमें अतिक्रमण की जानकारी भी है, लेकिन नगर निगम ने अब तक कुछ नहीं हटाया।

ये भी दिए निर्देश- 1. 30 दिन में एक्शनः नगर निगम आयुक्त और MPPCB तुरंत सुधारात्मक उपाय करें। 2. साइंटिफिक तरीके अपनाएंः पानी की गुणवत्ता सुधारने के लिए वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल हो। 3. दंडात्मक कार्रवाईः जो लोग सरोवरों को गंदा कर रहे हैं उन पर जुमार्ना और पर्यावरण क्षति वसूली हो। 4. सिंहस्थ को ध्यान में रखें- उज्जैन में निकट भविष्य में सिंहस्थ होना है, इसलिए सफाई प्राथमिकता पर हो।

ये हैं सप्त सागर - रुद्र सागर, क्षीर सागर, पुरुषोत्तम सागर, विष्णु सागर, पुष्कर सागर, गोवर्धन सागर और रत्नाकर सागर हैं। इनका पुराणों में भी उल्लेख मिलता है। हाल ही में पुरुषोत्तम मास में श्रद्धालुओं ने जमकर यहां पूजन अर्चन किया था।

पूर्व में भी 3 करोड का जुमार्ना हो चुका है- मामले के याचिकाकर्ता बाकीरअली रंगवाला ने कहा कि वर्ष 2022 से चल रहे इस मामले में पूर्व में अधिकरण 3 करोड का जुमार्ना कर चुका है।अधिकरण ने मुख्य सचिव को सप्त सागरों की स्थिति बताने के लिए कहा गया था। गोवर्धन सागर की डिजिटल नपती हो चुकी है।

महापौर मुकेश टटवाल ने किया वार्ड 53 एवं 54 का किया निरीक्षण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर के वार्डों में मूलभूत सुविधाओं एवं आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए महापौर मुकेश टटवाल द्वारा सोमवार को वार्ड क्रमांक 53 एवं 54 का क्षेत्रीय पार्षदों के साथ निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नागरिकों एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विकास कार्यों के लिए राशि भी स्वीकृत की गई। महापौर श्री टटवाल ने वार्ड क्रमांक 54 के हामूखेड़ी स्थित राम मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद द्वारा मंदिर परिसर में सभा मंडप निर्माण की आवश्यकता से अवगत कराया गया। महापौर द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं धार्मिक आयोजनों के लिए आवश्यक व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए 05 लाख की लागत से सभा मंडप निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई।

न्यूज कॉलम

भावुक कर गया नाटक 'वापसी'

उज्जैन। प्रसिद्ध कहानीकार उषा प्रियंवदा की कहानी पर आधारित नाटक 'वापसी' ने दर्शकों की संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया। सिन्धू प्रवाह अकादमी की ओर से कालिदास अकादमी के पंडित सूर्य नारायण व्यास संकुल में इसका सफल मंचन किया गया। यह नाटक समाज और परिवार में बुजुर्गों की हो रही उपेक्षा और पारिवारिक स्वार्थ को गहराई से रेखांकित करता है। नाटक में दिखाया गया कि कैसे पूरा परिवार अपनी हर आवश्यकता की पूर्ति का दायित्व घर के पुरुष का ही समझता है, लेकिन बुजुर्गों के प्रति अपने कर्तव्यों से मुंह मोड़ लेता है। इस प्रस्तुति ने घर में बुजुर्गों के वर्तमान हालात पर कई सवाल खड़े किए।

नैनो न्यूज

- महामंडलेश्वर संस्था अध्यक्ष डॉ. राजेश ठाकुर ने सौंपी जिम्मेदारी, पदाधिकारियों ने दी बधाई
- लोकमान्य तिलक कॉलेज में सेमिनार, विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बताए नशे के दुष्परिणाम
- भारत भारती का प्रांतीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न, प्रदेशभर से शामिल हुए प्रतिनिधि
- 68 सदस्यों वाली संस्था का वार्षिक लेखा-जोखा पेश, भवन निर्माण और सदस्यता बढ़ाने पर भी हुई चर्चा
- गुरु ओमकार दास व्यायाम शाला में 25वां रामायण उत्सव संपन्न, महापौर सहित कई जनप्रतिनिधि हुए शामिल
- स्टेट बैंक ऑफ इंदौर रिटायर्ड एम्पलाइज एसोसिएशन की पहल, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा का लिया संकल्प
- उज्जैन में श्री सत्य साई प्रेम तरुअभियान के तहत वृक्षारोपण कर फलों की वाटिका

5 अगस्त को घंटाघर (टॉवर) पर गूंजेगा देशभक्ति का स्वर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

स्वर्णिम भारत मंच के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला भव्य देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम ₹एक दुलारा देश हमारा प्यारा हिंदुस्तान₹ इस वर्ष भी 15 अगस्त 2026, शनिवार को शाम 6:00 बजे घंटाघर (टॉवर चौक), उज्जैन पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में शहर के प्रतिभाशाली कलाकारों को देशभक्ति गीत, नृत्य, संगीत एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाना तथा युवाओं में राष्ट्रप्रेम और सांस्कृतिक चेतना का संचार करना है।

पुरानी एंबुलेंस में कभी इंजन तो कभी टायर की समस्या, चालक सुधारने में जुटे

चरक अस्पताल की एंबुलेंस बार-बार हो रही खराब

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

चरक अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए उपलब्ध कराई गई एंबुलेंस आए दिन खराब हो रही हैं। इसके चलते कई बार जरूरत के समय एंबुलेंस का उपयोग नहीं हो पाता और मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पाता। अस्पताल में वर्तमान में आधा दर्जन से अधिक एंबुलेंस उपलब्ध हैं, लेकिन इनमें से कुछ एंबुलेंस बार-बार तकनीकी खराबी का शिकार हो रही हैं। अस्पताल परिसर में खड़ी कुछ एंबुलेंस के स्टार्ट नहीं होने, इंजन में खराबी आने और टायर घिस जाने जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। कई बार मरीजों को लाने-ले जाने के दौरान भी एंबुलेंस में तकनीकी खराबी आ जाती है। ऐसी स्थिति में चालक एंबुलेंस को ठीक करवाकर दोबारा उपयोग में लेने का प्रयास करते हैं।

पुरानी होने से बढ़ रही परेशानी

बताया जा रहा है कि अस्पताल में लंबे समय से उपयोग में लाई जा रही कुछ एंबुलेंस अब पुरानी हो चुकी हैं। लगातार उपयोग के कारण इनमें छोटी-बड़ी खराबियां सामने आती रहती हैं। सोमवार को भी चरक अस्पताल परिसर में कुछ एंबुलेंस खराब अवस्था में खड़ी दिखाई दीं। चालक इन्हें सुधारने में जुटे हुए थे। हालांकि अस्पताल से जुड़े लोगों का कहना है कि वर्तमान में मरीजों के लिए पर्याप्त संख्या में एंबुलेंस उपलब्ध हैं।

ट्रेंडिंग

समावेशी विकास के संकल्प के साथ ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन बना ऐतिहासिक

विश्व धरोहर स्थल घोषित करने के लिए यूनेस्को में ब्रिक्स देश भेजेगा साझा नामांकन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

11वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक और ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह के सम्मेलनों का भोपाल में सफल समापन हो चुका है। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की शाश्वत भारतीय भावना और भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की मुख्य थीम ₹लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण के संकल्प के साथ आयोजित इस तीन दिवसीय वैश्विक समागम ने अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और सांस्कृतिक सहयोग का एक नया इतिहास रच दिया है। कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में संपन्न हुए इस बहुपक्षीय सम्मेलन ने साबित किया कि जब वैश्विक स्तर पर संस्कृति, परंपरा और रचनात्मकता आपस में जुड़ती हैं, तो वे भौगोलिक सीमाओं से परे शांति, परस्पर सम्मान और समावेशी विकास का एक स्थायी ढांचा तैयार करती हैं।

जनसंपर्क अधिकारी अनुराग उइके ने बताया इसके तहत ब्रिक्स देश अब यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए अपनी साझा स्थापत्य, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपराओं का संयुक्त या बहुराष्ट्रीय नामांकन दाखिल करेंगे।

इस ऐतिहासिक आयोजन की पूर्व संध्या से लेकर समापन तक, भोपाल की धरा पर वैश्विक सहयोग का एक अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। सम्मेलन में भारत सहित कुल 14 देशों के 55 उच्चस्तरीय प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें 10 ब्रिक्स सदस्य देश–ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात के साथ चार साझेदार देश बेलारूस, क्यूबा, कजाकिस्तान और थाईलैंड शामिल हुए। सम्मेलन की भव्यता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात के संस्कृति मंत्रियों ने स्वयं भोपाल पहुंचकर इस विचार-विमर्श का नेतृत्व किया, जबकि मिस्र के संस्कृति मंत्री ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

यह आयोजन भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत संस्कृति क्षेत्र के अंतर्गत अपनाई गई एक अत्यंत सुव्यवस्थित और चरणबद्ध प्रक्रिया की ऐतिहासिक परिणति रहा। इस यात्रा की शुरूआत 29झ30 अप्रैल 2026 को वर्चुअल माध्यम से आयोजित पहली ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह की बैठक से हुई थी। इसके पश्चात 4झ5 जून को सांस्कृतिक नगरी वाराणसी में दूसरी कार्य समूह की बैठक आयोजित हुई, जिसमें नीतिगत प्राथमिकताओं का खाका खींचा गया। 5-6 अगस्त को भोपाल में संपन्न हुई तीसरी कार्य समूह की बैठक ने मंत्री-स्तरीय वाताओं का आधार तैयार किया।

जनसंपर्क अधिकारीजूही श्रीवास्तव औरअवंतिका जायसवाल ने बताया यह पहल उन ऐतिहासिक और सभ्यतागत कड़ियों को वैश्विक मंच पर उजागर करेगी जो सदियों से सीमाओं के पार ब्रिक्स राष्ट्रों को आपस में जोड़ती रही हैं। संयुक्त नामांकन के इस सहयोगात्मक दृष्टिकोण से न केवल बहुपक्षीय सांस्कृतिक कूटनीति को मजबूती मिलेगी, बल्कि परस्पर संबद्ध विरासतों के संरक्षण और प्रबंधन में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी बढ़ेगा।

इस एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म से ब्रिक्स सदस्य देशों और साझेदार राष्ट्रों के कलाकारों की एक वृहद निर्देशिका (डायरेक्टरी) तैयार की जाएगी। साथ ही इस मंच पर सांस्कृतिक एवं रचनात्मक उद्योगों से जुड़ी नीतियां, दुर्लभ पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण, ऐतिहासिक स्थापत्य विरासत की जानकारी और रचनात्मक पद्धतियों का साझा दस्तावेजीकरण उपलब्ध रहेगा।जनसंपर्क अधिकारीपंकज मित्तल ने बताया

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

दैनिक अवन्तिका

इंदौर | उज्जैन | बुधवार 12 अगस्त, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

अभियान में 2 प्रतिष्ठानों से 535 किलो संदिग्ध खाद्य पदार्थ जप्त

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश में मिलावट एवं अमानक खाद्य पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर इंदौर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु लगातार निरीक्षण एवं नमूना कार्रवाई की जा रही है। प्रदेशभर में दूध एवं दूध से निर्मित खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत अन्य राज्यों से मध्यप्रदेश में आने वाले दूध एवं दुग्ध उत्पादों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला और राज्य स्तर पर आपदा कंट्रोल रूम सक्रिय रहें

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इस मानसून में प्रदेश में औसत से 15 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। कुछ जिलों में वर्षा कम हुई है और कुछ जिलों में आने वाले समय में अधिक वर्षा की संभावना है। वर्तमान में प्रदेश के आधे जिलों में सामान्य वर्षा हुई है। ऐसी असामान्य स्थितियों में किसानों सहित नागरिकों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय भोपाल में प्रदेश में कम वर्षा की वर्तमान स्थिति और उत्पन्न परिस्थितियों के संबंध में मंत्री गण और वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुछ जिलों में कम वर्षा की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि प्रदेश में कम वर्षा के कारण उत्पन्न हालातों से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां संबंधित विभाग सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जानकारी दी गई कि प्रदेश में 1 जून से 10 अगस्त की अवधि में सामान्य वर्षा 571 मिली मीटर की तुलना में 483 मिली मीटर वर्षा रिकॉर्ड हुई है जो औसतन 15 प्रतिशत कम है।

बलराम कृषि महोत्सव को सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाएं

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बलराम कृषि महोत्सव सिर्फ किसानों का नहीं, यह हमारी भारतीय कृषि संस्कृति का उत्सव है। इसीलिए इसे एक सांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाया जाए। इन दिनों प्रदेश में सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव मनाया जा रहा है। बड़ी संख्या में किसानों और ग्रामीणों की इसमें सहभागिता इस बात का प्रतीक है कि किसान स्वप्रेरणा से इस महोत्सव से जुड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संस्कृति विभाग बलराम कृषि महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित कर किसानों की बड़ी संख्या में उपस्थिति का लाभ उठाए और उन्हें मनोरंजक तरीके से हमारी संस्कृति और सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस सहित आगामी सभी पर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंत्रालय में स्वतंत्रता दिवस और अन्य पर्वों से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

शिक्षकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित किया जाये

इंदौर। संभागायुक्त भास्कर लाक्षाकार की अध्यक्षता में सोमवार को संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर संभाग के कलेक्टर्स एवं जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अपर आयुक्त तरूण भटनागर, एमपीआईडीसी की कार्यकारी निदेशक सुश्री प्रीति यादव, संयुक्त आयुक्त (विकास) शिवानी वर्मा, प्रभारी उपायुक्त (राजस्व) शैली कनाश सहित अन्य संबंधित विभागों के संभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में पहली बार जिलों के अधिकारी अपने मुख्यालयों से ही वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। संभागायुक्त ने भूमि के एक प्रकरण में झाबुआ के एडीएम से सीधे संवाद किया और बड़वानी के सीएमएचओ से भी संवाद किया। बैठक में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं, कार्यक्रमों और विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। संभागायुक्त ने मुख्य रूप से राजस्व प्रकरणों का समयसीमा में निराकरण करने, जनजातीय छात्रावासों में बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों की रुचि के अनुरूप खेल गतिविधियां कराने, औद्योगिक क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं का निराकरण करने, शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों से जुड़े विभागीय कार्यों को समयबद्ध रूप से करने के निर्देश दिये। बैठक में सभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने कहा कि जनजातीय छात्रावासों में बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ाने हेतू उन्हें पढ़ाने के साथ-साथ खेल गतिविधियां भी बढ़ायी जाये।

नैनो न्यूज

- **जबलपुर स्टेशन पर मचा हड़कंप-** जबलपुर रेलवे स्टेशन पर खाली कोच से धुआं उठने पर हड़कंप मचा। रेलवे ने आग से इनकार कर जांच शुरू की।
- **दतिया में स्कूल दीवार गिरी-** दतिया में स्कूल खुलने से पहले बाउंड्री वॉल ढह गई। मलबे में कार और बाइक दब गईं, बड़ा हादसा टल गया।
- **उज्जैन की बेटियों ने जीता गोल्ड-** उज्जैन की विधि और उत्कर्षा ने नेपाल में बैडमिंटन इंटरनेशनल डबल्स में चीन की जोड़ी को हराकर स्वर्ण पदक जीता।
- **मोनिका को राष्ट्रपति करेंगे सम्मानित-** उज्जैन की मोनिका ने क्षिप्रा में कूदकर बच्ची की जान बचाई थी। अब 15 अगस्त को राष्ट्रपति उन्हें सम्मानित करेंगे।
- **भाजपा में उपचुनाव हार पर मंथन-** दतिया उपचुनाव में हार के बाद भाजपा संगठन में मंथन शुरू हुआ। पार्टी स्तर पर हार के कारणों की समीक्षा की जा रही है।
- **छिंदवाड़ा में टला बड़ा विमान हादसा-** छिंदवाड़ा में उड़ान भरने से ठीक पहले विमान के इंजन में खराबी आई। विमान में सवार नेता सुरक्षित बताए गए।
- मूंग-उड़द खरीदी की तारीख बढ़ी- मध्यप्रदेश में मूंग और उड़द की सरकारी खरीदी की अंतिम तारीख बढ़ाकर 20 अगस्त कर दी गई है।
- साइबर अपराध पर पुलिस की कार्रवाई- प्रदेश में साइबर अपराध और नशा कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी है।

लोनिवि का बड़ा फैसला, एसडीओ और उपयंत्री सीधे होंगे जिम्मेदार

सड़क किनारे पेड़ सूखा तो इंजीनियर पर गिरेगी गाज

भोपाल में 1 उपयंत्री पर हो चुकी है कार्रवाई, अब उज्जैन की बारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ-28 के लिए जमकर सभी विभाग पौधारोपण कर रहे हैं। भवन और सडक बनाने वाले लोक निर्माण विभाग के यंत्री होंशियार हो जाएं। अब सड़क घटिया बनी तो कार्रवाई होगी ही, साथ में सड़क किनारे लगे पेड़ सूख गए तो भी इंजीनियर की नौकरी खतरे में पड़ जाएगी। विभागीय बडे फैसले के तहत सडक किनारे का पेड सूखा तो इंजीनियर पर गाज गिरना तय है। इसके तहत भोपाल में कार्रवाई हो चुकी है। लोक निर्माण विभाग ने बड़ा फैसला लेते हुए पौधों की देखरेख में लापरवाही बरतने वाले अफसरों पर सीधी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अब अनुविभागीय अधिकारी और उपयंत्री को पेड़ सूखने का सीधे जिम्मेदार माना जाएगा।

प्रमुख अभियंता को सख्ती के आदेश

लोक निर्माण विभाग मंत्रालय ने राज्य भर में भेजे ताजा निर्देश में कहा है कि सड़कों के किनारे लगाए गए पौधों और पेड़ों के संरक्षण में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इसके लिए विभाग ने प्रमुख अभियंता, सड़क और भवन को फील्ड में सख्ती करने के आदेश दिए हैं। विभाग के मुताबिक निर्माण कार्यों और मार्गों के निरीक्षण में कई जगह नियमों का पालन नहीं मिला। भोपाल में इसी लापरवाही पर एक उपयंत्री को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। वैसे प्रशासनिक भाषा में निलंबन सजा नहीं मानी जाती है।

इसलिए उठाया गया कदम

हर साल करोड़ों रुपये खर्च कर सड़क निर्माण की जा रही है। निमार्णों में सडकों के किनारे पौधारोपण किया जाता है, लेकिन देखरेख के अभाव में ज्यादातर पौधे सूख जाते हैं। अब लोक निर्माण विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए इंजीनियरों की जवाबदेही तय कर दी है।

4 बिंदुओं के तहत की गई गाइडलाइन तय

लोक निर्माण विभाग के सूत्रों का कहना है कि इसके लिए 4 बिंदुओं के तहत गाईडलाईन तय की गई है। इसमें हर पौधे के तने के चारों ओर तय मानक के अनुसार *45 सेंटीमीटर तक मिट्टी और मुरम की मल्चिंग की जाए। पौधों की सुरक्षा और रखरखाव पर लगातार नजर रखी जाए। संबंधित अधिकारी खुद मौके पर जाकर चेक करें कि ठेकेदार या निर्माण एजेंसी निदेर्शों की अनदेखी न करे। संरक्षण में लापरवाही मिलने पर तुरंत विभागीय कार्रवाई की जाए।

मध्य प्रदेश की दीप्ति गौड़ मुखर्जी बनीं देश की नई उच्च शिक्षा सचिव

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मध्य प्रदेश कैडर की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी दीप्ति गौड़ मुखर्जी को केंद्र सरकार ने देश का नया उच्च शिक्षा सचिव नियुक्त किया है। 1993 बैच की अधिकारी दीप्ति गौड़ मुखर्जी की नई जिम्मेदारी के साथ मध्य प्रदेश कैडर के एक और वरिष्ठ अधिकारी को केंद्र में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। केंद्र सरकार ने सोमवार देर रात नौकरशाही में बड़ा फेरबदल करते हुए उनकी नियुक्ति की। इससे पहले वह कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में सचिव की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। केंद्र सरकार में भी उन्हें महत्वपूर्ण भूमिकाएं मिलीं। वह राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की सीईओ रह चुकी हैं। इस दौरान आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी उनके प्रमुख कामों में शामिल रही। इसके अलावा उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के तौर पर भी काम किया है।

आउटसोर्सिंग से लेकर रोजगार की सुरक्षा तक उठेंगे सवाल, भारतीय मजदूर संघ का राष्ट्रव्यापी ज्ञापन अभियान

17 को इंदौर में श्रमिक शक्ति का प्रदर्शन

कलेक्टर कार्यालय पहुंचेगा मजदूरों का हुजूम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

श्रमिकों के अधिकार, रोजगार की सुरक्षा और आउटसोर्सिंग व्यवस्था से जुड़ी मांगों को लेकर 17 अगस्त को इंदौर में भारतीय मजदूर संघ अपनी ताकत दिखाएगा। अखिल भारतीय आह्वान पर जिला मुख्यालय पर होने वाला यह अभियान महज ज्ञापन देने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दोपहर 1 बजे रैली और प्रदर्शन के जरिए श्रमिकों की सामूहिक आवाज शासन तक पहुंचाई जाएगी।

श्रमिकों की आवाज शासन तक पहुंचाई जाएगी

इस अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष आउटसोर्स कर्मचारियों की स्थिति और उनके भविष्य की सुरक्षा को लेकर उठाई जा रही मांगें हैं। भारतीय मजदूर संघ का जोर आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित करने, ठेका एवं अनावश्यक आउटसोर्स व्यवस्था पर रोक लगाने तथा कर्मचारियों को मिलने वाला वेतन सीधे उनके बैंक खातों में पहुंचाने पर है। संगठन का मानना है कि इससे कर्मचारियों के भुगतान में पारदर्शिता के साथ बिचौलिया व्यवस्था पर भी अंकुश लगेगा।

अभियान में रोजगार की गारंटी, न्यूनतम वेतन में वृद्धि, समय पर वेतन भुगतान और समान कार्य के लिए समान वेतन जैसे मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए जाएंगे। इसके साथ ईएसआई, पीएफ, बोनस, ग्रेच्युटी, स्वास्थ्य सुविधा और सुरक्षित कार्य वातावरण जैसी सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी मांगों को भी शासन के सामने रखा जाएगा।

एक मंच पर कई वर्गों को जुटाने की तैयारी

भारतीय मजदूर संघ ने अभियान को व्यापक स्वरूप देने के लिए अपने संबद्ध विभिन्न यूनियनों और महासंघों के साथ-साथ आंगनवाड़ी कार्यकताओं, नगर निगम कर्मचारियों, शासकीय-अर्धशासकीय कर्मचारियों, पंचायत कर्मचारियों, बिजली, बैंक, बीमा सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों और पदाधिकारियों से बड़ी संख्या में भागीदारी का आह्वान किया है। ऐसे में 17 अगस्त का कार्यक्रम किसी एक विभाग की मांगों के बजाय अलग-अलग श्रमिक वर्गों की साझा समस्याओं को एक मंच पर लाने वाला अभियान बनता दिखाई दे रहा है। महंगाई भत्ता और अन्य भत्तों में समयानुसार वृद्धि तथा श्रम कानूनों के प्रभावी और निष्पक्ष क्रियान्वयन की मांग भी ज्ञापन में शामिल रहेगी।

ज्ञापन से पहले रैली, फिर शासन तक पहुंचेगी आवाज

भारतीय मजदूर संघ इंदौर जिला के जिला मंत्री हेमराज जारवाल ने सभी संबद्ध संगठनों, यूनियनों, महासंघों, पदाधिकारियों और कर्मचारियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया है। रैली एवं प्रदर्शन के बाद जिला कलेक्टर के माध्यम से शासन के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। 17 अगस्त, दोपहर 1 बजे, जिला मुख्यालय इंदौर पर होने वाले इस आयोजन को लेकर अब नजर इस बात पर रहेगी कि विभिन्न विभागों के कर्मचारी और श्रमिक संगठन कितनी संख्या में एकजुट होकर अपनी मांगों की आवाज बुलंद करते हैं।

किस्मत, वसीयत भगवान और हाथ की लकीरों पर विश्वास मत करना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

है युवाओं! तुम्हारे माता-पिता के पास खूब संपदा हो लेकिन तुम्हारी किस्मत में नहीं होगी तो नहीं मिलेगी। राजा के यहां जन्म लेने वाला बालक जरूरी नहीं कि राजा ही बनेगा। किस्मत का खेल

देखो की कहां तो अयोध्या नरेश दशरथ पुत्र श्री राम का कल सुबह राजतिलक होने वाला था था, लेकिन बीच में रात, कल की क्या बात? जिसे रात गुजरने के बाद सुबह अयोध्या का राजा बनना था वह सूर्योदय के पूर्व वनवासी बन गया। इसलिए इंदौरी भव्य आत्माओं कभी भी ना तो अपनी किस्मत पर, ना मां बाप दादा की संपत्ति, वसीयत, एवं भगवान और अपने हाथ की लकीरों पर भी विश्वास मत करना। विश्वास ही करना है तो अपने पुरुषार्थ, कर्म, और स्वयं की मेहनत से बहाए पसीने पर करना। यह उद्गार मंगलवार को ,श्रमण संस्कृति के महाश्रमण मुनिपुंगव सुधा सागर जी महाराज ने दलाल बाग मे आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किए। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि गुरुदेव ने कहा कि पुरुषार्थ और पसीने में आपके हाथ की लकीरों को बदलने की ताकत है। किस्मत और भाग्य के भरोसे मत रहना और मां जिनवाणी, आगम, धर्म, पुरुषार्थ और कर्म पर विश्वास करना। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दादू ने बताया कि चरित्र की चर्चा करते हुए जगत पूज्य ने कहा कि घर में रहने वाले लोगों का चरित्र कैसा है यह घर के दीवारों पर टंगे चित्रों से पता चल जाता है। चित्र से आपके अंतरंग की दशा का पता चल जाता है कि आपका मन और चरित्र कैसा है? कभी-कभी बच्चों के मोबाइल को भी देख लिया करो ताकि तुम्हें भी पता चल सके कि मोबाइल में कैसे कैसे चित्र डले हैं? जिस प्रकार स्नान ग्रह गंदगी धोने के लिए हैं इस प्रकार मंदिर, अभिषेक, शांति धारा, प्रवचन, णमोकार की जाप, भक्तांबर पाठ और चातुर्मास भी आपके पाप कर्म और मन की कलुषता को धोने के लिए हैं।

उज्जैन की बेटियों ने रचा इतिहास

नेपाल में चीन को हराकर बैडमिंटन इंटरनेशनल डबल्स में जीता गोल्ड

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की खिलाड़ियों ने इंटरनेशनल बैडमिंटन डबल्स प्रतियोगिता में चीन को हराकर गोल्ड अपने नाम किया है। पिछले 5 दिनों से नेपाल में चल रही इस इंटरनेशनल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में सोमवार रात भारत की जीत हुई। इसमें उज्जैन की खिलाड़ियों ने गोल्ड खिताब जीता है।

खेलो इंडिया के तहत सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में तराना में रहने वाली विधि शर्मा और उज्जैन में रहने वाली उत्कर्षा पाल का चयन हुआ था। वैसे तो दोनों खिलाड़ी बैडमिंटन की नेशनल प्रतियोगिताओं में कई खिताब जीत चुकी हैं, लेकिन इस बार उनका चयन नेपाल में आयोजित इंडो-नेपाल इंटरनेशनल टूनामेंट के लिए हुआ था। इस प्रतियोगिता में दोनों खिलाड़ियों ने पहले क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया को हराया। इसके बाद सेमीफाइनल में मलेशिया और फाइनल में चीन की टीम को हराकर गोल्ड अपने नाम कर लिया।

इंटरनेशनल बैडमिंटन डबल्स प्रतियोगिता में गोल्ड जीतने वाली विधि शर्मा ने बताया कि इंडो-नेपाल इंटरनेशनल टूनामेंट 7 अगस्त से 11 अगस्त तक आयोजित किया गया। इसमें 25 देशों की टीमों ने भाग लिया। बताया जाता है कि विधि शर्मा और उत्कर्षा पाल दोनों ही सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में योग से एमए कर रही हैं। बैडमिंटन में दोनों की शुरूआत से ही रुचि रही है और वे कई बार यूनिवर्सिटी की ओर से नेशनल गेम भी खेल चुकी हैं। विधि शर्मा ने बताया कि इंडो-नेपाल इंटरनेशनल टूनामेंट के लिए दिल्ली में खेलो इंडिया के तहत उनका चयन हुआ था। इसके बाद से ही उन्होंने ओपन टूनामेंट खेला।

केन्द्रीय जेल इंदौर में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ का आयोजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

श्रावण मास के पावन अवसर पर केन्द्रीय जेल इंदौर में स्थापित शिवलिंग के पंचम वर्ष के उपलक्ष्य में आज सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, मध्यप्रदेश के महानिदेशक श्री वरुण कपूर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम में केन्द्रीय जेल इंदौर के मुख्य द्वार पर जेल अधीक्षक श्री दिनेश नरगावे एवं जेल अधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि श्री वरुण कपूर का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इसके पश्चात केन्द्रीय जेल के मुख्य सभागृह में श्री वरुण कपूर ने प्रथम पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण महायज्ञ का विधिवत शुभारंभ किया। महायज्ञ के मुख्य शिवलिंग निर्माण का संकल्प मुख्य यजमान दंपती श्री वरुण कपूर एवं श्रीमती सोम्या कपूर द्वारा लिया गया। शिव स्त्रोत, मंत्रोच्चार एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया।

शस्त्र लाइसेंस केस में पूछताछ

लव जिहाद के आरोपी अनवर कादरी को जम्मू कश्मीर लेकर गई पुलिस

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कांग्रेस के पूर्व पार्षद अनवर कादरी से जुड़े विवादित शस्त्र लाइसेंस प्रकरण में स्थानीय पुलिस प्रशासन ने छानबीन का दायरा बढ़ा दिया है। सदर बाजार पुलिस स्टेशन की एक विशेष जांच टीम आरोपी अनवर कादरी को साथ लेकर जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना हो गई है।

पुलिस टीम द्वारा मुख्य रूप से कठुआ जिले पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जहां से आरोपी द्वारा यह शस्त्र लाइसेंस संदिग्ध रूप से जारी कराया गया था। जांच अधिकारी इस बात का पता लगाने में जुटे हैं कि लाइसेंस स्वीकृत किए जाने के दौरान किन आधिकारिक प्रक्रियाओं का पालन किया गया था और इसमें किन स्थानीय व्यक्तियों अथवा बिचौलियों की संलिप्तता थी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार भिश्ती मोहल्ला निवासी अनवर के खिलाफ सितंबर 2023 में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था। उसने अपने आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी छिपाकर वर्ष 2007 में फर्जी दस्तावेजों से जम्मू और कश्मीर के कठुआ से 12 बोर बंदूक का लाइसेंस बनवाया था। इसके बाद वर्ष 2012 में उसने रिवॉल्वर का लाइसेंस भी प्राप्त कर लिया। पुलिस द्वारा जम्मू-कश्मीर प्रशासन से जानकारी मांगने पर इसका कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं मिला। अनवर ने खुद को ठेकेदार बताकर और जान का खतरा दिखाकर यह लाइसेंस हासिल किया था। वह चुनाव और आचार संहिता के समय इस लाइसेंस को थाने में जमा भी कराता था।

विदिशा-भोपाल फोरलेन को मंजूरी, इछावर में बनेगा सोयाबीन रिसर्च सेंटर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार ने मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में विकास, सड़क, कृषि, पुलिस और पर्यटन से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए। बैठक के बाद मंत्री उदय प्रताप सिंह ने फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि भोपाल से विदिशा मार्ग को दो लेन से बढ़ाकर चार लेन किया जाएगा।

इसके साथ ही इछावर के औरखेड़ी में सोयाबीन अनुसंधान के लिए जमीन निःशुल्क आवंटित करने का निर्णय लिया गया है। मंत्री ने बताया कि भोपाल से विदिशा मार्ग को चार लेन करने की परियोजना की लागत पहले 1467 करोड़ रुपये थी, जिसे बढ़ाकर करीब 1617 करोड़ रुपये किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र की कृषि भूमि के लिए नवीन मल्टीप्लिकेशन फैक्टर की लागत में करीब 140 करोड़ रुपये की वृद्धि के बाद परियोजना की कुल स्वीकृत लागत लगभग 1757 करोड़ रुपये हो गई है। सड़क के साथ शोल्डर का निर्माण भी किया जाएगा। यह परियोजना 17 वर्ष की होगी। सरकार का मानना है कि भोपाल और विदिशा के बीच बेहतर कनेक्टिविटी से दोनों शहरों के साथ आसपास के क्षेत्रों को भी बाजार मिलेगा। इससे उद्योग, होटल और लॉजिस्टिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

भोपाल को मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की तैयारी

सरकार भोपाल को मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। इसके तहत भोपाल को आसपास के शहरों से बेहतर तरीके से जोड़ा जाएगा। विदिशा को भी बेहतर सड़क संपर्क देने की योजना है। मंत्री ने बताया कि भोपाल बायपास से दो वर्षों में करीब 145.87 करोड़ रुपये का टोल संग्रह हुआ है। औसतन करीब 77 करोड़ रुपये सालाना टोल वसूला गया। कैबिनेट ने टोल संग्रह की अनुमति 19 जुलाई 2026 से 31 दिसंबर 2031 तक यानी करीब पांच साल के लिए दी है।

इछावर में बनेगा सोयाबीन रिसर्च सेंटर

सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए सरकार इछावर के औरखेड़ी में अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च को भूमि निःशुल्क आवंटित की जाएगी। यहां सोयाबीन पर शोध के साथ किसानों को नई तकनीक और उत्पादन से जुड़ी जानकारी भी दी जाएगी। सरकार का लक्ष्य सोयाबीन उत्पादन को बढ़ावा देना और किसानों को अनुसंधान का सीधा लाभ पहुंचाना है। मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस विभाग में 27,500 से अधिक पदोन्नतियां की गई हैं। इसके अलावा औद्योगिक सुरक्षा बल की पहली इकाई खंडवा में स्थापित की जाएगी। इसके लिए पुलिस बटालियन बनाने की भी तैयारी है।

तीन बायपास भी बनेंगे

परियोजना में कुल 8.25 किलोमीटर लंबाई के तीन बायपास बनाए जाने प्रस्तावित हैं। इससे आबादी वाले क्षेत्रों में वाहनों का दबाव कम होगा और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी घटेगी। परियोजना की लागत पहले 1467.42 करोड़ रुपए स्वीकृत हुई थी। बाद में यह बढ़कर 1617.04 करोड़ रुपए हुई। ग्रामीण क्षेत्र में कृषि भूमि अधिग्रहण के लिए करीब 140 करोड़ रुपए अतिरिक्त लगने के बाद कुल लागत 1757.55 करोड़ रुपए हो गई।

शांति किसके पास

दो व्यक्ति तंग गलियारे में काफी ऊंचे स्वर में बात कर रहे थे। उनकी बातें सुनाई न पड़ना मुश्किल ही था। उनमें से एक व्हेल मछलियों के शिकार के व्यापार का वर्णन कर रहा था कि यह कार्य कितने जोखिम का है, इसमें मुनाफा क्या होता है और सागर की लहरें कैसी भयावह होती हैं? वह बता रहा था कि कुछ व्हेल मछलियां तो सैकड़ों टन वजन की होती हैं। बच्चों वाली मादा व्हेल को मारना ठीक नहीं माना जाता और न ही एक निश्चित समय के भीतर खास संख्या से अधिक व्हेल को मारने की आज्ञा है।... उस आदमी ने बयान करना शुरू किया कि मारने में कैसा विचित्र आकर्षण रहता है, परंतु उसी क्षण चाय आ गई और बातचीत का मुद्दा बदल गया। मारना मनुष्य को पसंद है। चाहे वह एक-दूसरे की हत्या करना हो अथवा घने जंगल में चमकदार आंखों वाले हिरण की या पशुओं का शिकार करने वाले बाघ की। सुंदर पोशाक पहने, हंसते हुए लोग कीमती बंदूकें लेकर निकलते हैं और एक-दूसरे को पुकार रहे पंछियों को मार डालते हैं। कोई लड़का अपनी बंदूक से चहचहाते नीलकंठ पर गोली दागता है और उसके आस-पास खड़े वयस्क दया का एक शब्द तक नहीं निकालते, न उसे डांटते हैं; इसके उलट, वे उसकी निशानेबाजी की सराहना करते हैं। तथाकथित खेल, आहार के लिए हो या अपने देश की शांति के लिए हत्या करना इन सब में बहुत अंतर नहीं है। बात तो केवल यही है- हत्या न करें। पश्चिम में हम सोचते हैं कि पशुओं का वजूद हमारे पेट के लिए अथवा शिकार-सुख की खातिर, या फिर उनकी रोएंदार चमड़ी उपलब्ध कराने के लिए है। पूरब में शताब्दियों से यही सिखाया गया है और प्रत्येक माता-पिता उसे दोहराते हैं- जीव हत्या न करो, दया भाव रखो, करुण बनो। यहां पश्चिम में पशुओं में आत्मा नहीं होती, अतः उन्हें बेखटके मार सकते हैं; और उधर पूरब में पशुओं में आत्मा होती है, इसलिए अपने हृदय में प्रेम रखें- यही बताया जाता है। पशुओं, पंछियों का आहार करना पश्चिम में एक सामान्य नैसर्गिक बात मानी जाती है। पूरब में यह बात नहीं है और विचारशील, धार्मिक लोग परंपरा और संस्कृति के चलते ऐसा नहीं करते। हालांकि, यह भी अब तेजी से टूटता जा रहा है। यहां हमने ईश्वर और देश के नाम से सदा हत्याएं की हैं और अब यह सब जगह हो रहा है। हिंसा फैल रही है; लगभग रातोंरात प्राचीन संस्कृतियां इसमें बही जा रही हैं और कार्य-कुशलता, क्रूरता तथा विनाश के साधन सोच-विचारपूर्वक पोषित और मजबूत किए जा रहे हैं। शांति राजनीतिज्ञ अथवा पुरोहित के पास नहीं होती, न ही वह वकील या पुलिस के पास होती है। शांति तो मन की एक अवस्था है, जब प्रेम उसमें विद्यमान रहता है।

सम्पादकीय

झारखंड पर नजर

झारखंड में छात्र आंदोलन में आई तेजी चिंता जगाने के साथ ही विचार के लिए विवश करती है। कभी लगता है, समाधान निकलने ही वाला है, तो कभी समस्याएं बढ़ती नजर आने लगती हैं। वैसे, यह समस्या ऐसी नहीं है कि जिसका समाधान न हो और समाधान कभी भी निकल सकता है। सबकी निगाह झारखंड और वहां की सरकार पर टिकी है। सोमवार को छात्रों ने विधानसभा पहुंचने का प्रयास किया और पुलिस ने उन्हें रोकने की हर मुमकिन कोशिश की। पानी की बौछारों से छात्रों को रोकने की कोशिश हुई। लाठीचार्ज के भी आरोप लगे। हाथापाई के हालात बने। रांची के एक इलाके में आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। काश! झारखंड सरकार के साथ छात्रों की रविवार को हुई छठे दौर की बातचीत में संपूर्ण समाधान निकल आता और सड़क पर विरोध-प्रदर्शन की नौबत नहीं आती। खैर, बातचीत का क्रम टूटना नहीं चाहिए। एक तरफ, झारखंड सरकार का मानना है कि 98 प्रतिशत मांगें मान ली गई हैं, तो दूसरी ओर, छात्र नेता इससे इनकार कर रहे हैं। छात्रों ने अपनी मांगों को तीन श्रेणियों में बांटा है- परीक्षाएं रद्द करने संबंधी मांग, जांच संबंधी मांग और प्रक्रिया में सुधार संबंधी मांग। अब मामला परीक्षाओं को रद्द करने संबंधी मांग पर अटक रहा है।

दोराय नहीं कि परीक्षाओं को रद्द करने से कई तरह की समस्याएं उत्पन्न होंगी। राज्य सरकार के लिए कानूनी बाधाएं बहुत बढ़ जाएंगी, लेकिन सरकार को इसके लिए रास्ते निकालने पड़ेंगे। नियुक्तियों और परीक्षाओं की जांच चल रही है। परीक्षा या नियुक्ति में किसी गलती या अनियमितता को जस का तस छोड़ते हुए आगे बढ़ जाना अपराध से कम नहीं है। झारखंड में ही नहीं, अन्य राज्यों में भी कई अधिकारी चाहते हैं कि व्यवस्था की खामियों से मुंह चुराते हुए आगे बढ़ा जाए। हां, सरकार चाहे, तो छात्रों को विश्वास में लेकर आगे बढ़ सकती है, पर यह काम आसान नहीं होगा। आज छात्र बेरोजगारी से बहुत दुखी हैं। मेहनत करने के बावजूद सही ढंग से और समय पर रोजगार न मिलना युवाओं में निराशा लगातार बढ़ा रहा है। ऐसी निराशा केवल झारखंड में ही नहीं है, अन्य राज्यों में भी कमोबेश यही हाल है और इसे दूर करना सरकारों के लिए नामुमकिन नहीं है।

आचरण में हो तिरंगे के प्रति सम्मान

हर घर तिरंगा से हर हृदय तिरंगा तक

डा मनमोहन प्रकाश
(दैनिक अवन्तिका)

हर भारतीय के लिए यह समझना आवश्यक है कि तिरंगा केवल तीन रंगों से बना एक राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता, संप्रभुता, अखंडता, लोकतांत्रिक चेतना और राष्ट्रीय अस्मिता का जीवंत प्रतीक है। इसके प्रत्येक रंग और प्रत्येक प्रतीक के पीछे एक गहरा राष्ट्रीय दर्शन निहित है। इसमें स्वतंत्रता संग्राम के असंख्य ज्ञात-अज्ञात सेनानियों के बलिदान, संविधान निर्माताओं की लोकतांत्रिक आकांक्षाएं और एक न्यायपूर्ण, समतामूलक एवं समृद्ध भारत का स्वप्न प्रतिबिंबित होता है।

इसीलिए तिरंगे का सम्मान केवल उसे हाथ में थामने, घर पर फहराने, उसके सामने सिर झुकाने या राष्ट्रीय पर्वों पर सलामी देने तक सीमित नहीं होना चाहिए। ध्वज का वास्तविक सम्मान तब होगा, जब उसके प्रति श्रद्धा हमारे आचरण में दिखाई दे और उसमें निहित आदर्श हमारे विचार, व्यवहार तथा दैनिक जीवन का हिस्सा बनें। ‍हर घर तिरंगा तभी सार्थक होगा, जब उसके साथ हर हृदय तिरंगा भी स्थापित हो।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंग अपने भीतर व्यापक संदेश समेटे हुए हैं। शीर्ष पर स्थित केसरिया रंग साहस, त्याग और निःस्वार्थ सेवा की प्रेरणा देता है। यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र निर्माण केवल अधिकारों की मांग से नहीं, बल्कि कर्तव्यों के निर्वहन, अनुशासन और आवश्यकता पड़ने पर व्यक्तिगत स्वार्थ के त्याग से होता है। स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में असंख्य लोगों ने व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं का त्याग कर राष्ट्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी थी। आज भी राष्ट्र निर्माण के लिए उसी भावना की आवश्यकता है।

ध्वज का श्वेत रंग सत्य, शांति और पारदर्शिता का संदेश देता है। लोकतांत्रिक समाज में सत्यनिष्ठा, सहिष्णुता, संवाद और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व केवल आदर्श शब्द नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता की आवश्यक शर्तें हैं। जब सार्वजनिक जीवन में सत्य और पारदर्शिता कमजोर होती है तथा असहमति को शत्रुता समझा जाने लगता है, तब लोकतांत्रिक मूल्यों को क्षति पहुंचती है। इसलिए श्वेत रंग हमें विचार और व्यवहार दोनों में संयम तथा सत्य का मार्ग अपनाने की प्रेरणा देता है।

हरा रंग जीवन, विकास, समृद्धि और प्रकृति के साथ संतुलन का प्रतीक माना जाता है। भारत जैसे कृषि प्रधान और जैव-विविधता से समृद्ध देश के लिए इसका संदेश विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। आर्थिक विकास आवश्यक है, लेकिन ऐसा विकास जो प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन करे, आने वाली पीढ़ियों के हितों की उपेक्षा करे, वह वास्तविक प्रगति नहीं हो सकता। इसलिए हरे रंग का संदेश हमें विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की जिम्मेदारी का भी बोध कराता है।

तिरंगे के मध्य स्थित नीले रंग का अशोक चक्र इसकी दार्शनिक आत्मा को और गहरा करता है। अशोक चक्र भारतीय परंपरा में धर्म, न्याय और नैतिक व्यवस्था से जुड़े धर्मचक्र की स्मृति को अभिव्यक्त करता है। इसके 24 आरे निरंतर गति और कर्म की प्रेरणा देते हैं। इसका व्यापक संदेश है कि जीवन, समाज और राष्ट्र में ठहराव नहीं, बल्कि निरंतर प्रगति आवश्यक है। स्वतंत्रता का अर्थ निष्क्रियता नहीं, बल्कि जिम्मेदार कर्म है; अधिकारों के साथ कर्तव्य और स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा हुआ है।

आज भारत विश्व में तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, स्टार्टअप, रक्षा उत्पादन और नवाचार जैसे अनेक क्षेत्रों में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। चंद्रयान मिशनों से लेकर डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तक और स्वदेशी तकनीकी क्षमता से लेकर वैश्विक स्तर पर बढ़ती उद्यमिता तक, भारत की क्षमता का विस्तार हुआ है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, सैन्य सामर्थ्य या तकनीकी उपलब्धियों से निर्धारित नहीं होती। उसकी स्थायी शक्ति उसके नागरिकों के चरित्र, सामाजिक सद्भाव, संस्थाओं के प्रति सम्मान, कानून के पालन और सार्वजनिक जीवन की नैतिकता में निहित होती है।

यही हर हृदय तिरंगा की अवधारणा का मूल है। इसका अर्थ है कि तिरंगा हमारे हाथ में दिखाई देने के साथ-साथ हमारे विचारों और कर्मों में भी दिखाई दे। राष्ट्र प्रेम केवल बड़े अवसरों पर देशभक्ति प्रदर्शित करने का नाम नहीं है। यह अपने दैनिक दायित्वों को ईमानदारी, निष्ठा और दक्षता से निभाने की सतत प्रक्रिया है। शिक्षक का ईमानदारी से पढ़ाना, विद्यार्थी का अनुशासन और परिश्रम अपनाना, चिकित्सक का पेशा-गत नैतिकता का पालन करना, व्यापारी का ईमानदार व्यवहार, कर्मचारी का अपने दायित्व के प्रति समर्पण, किसान का परिश्रम और वैज्ञानिक का नए ज्ञान के सृजन के प्रति समर्पण आदि सभी राष्ट्र निर्माण के रूप हैं।

राष्ट्रप्रेम सोशल मीडिया पर तिरंगे की तस्वीर लगाने, देशभक्ति के नारे लगाने या राष्ट्रीय पर्वों पर देशभक्ति के गीत गाने, मिठाई बांटने तक सीमित नहीं हो सकता। वास्तविक देशभक्ति हमारे छोटे-छोटे नागरिक व्यवहारों में प्रकट होती है। यातायात नियमों का पालन करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, स्वच्छता बनाए रखना, जल और ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, महिलाओं और वंचित वर्गों का सम्मान करना तथा संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के मूल्यों को व्यवहार में उतारना आदि सभी राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का हिस्सा हैं।

भारत की पहचान उसकी एकरूपता में नहीं, बल्कि विविधता में एकता की उसकी अद्वितीय क्षमता में है। अनेक भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं, जीवन-पद्धतियां और विचारधाराएं भारत की सामाजिक संरचना को समृद्ध बनाती हैं। इसलिए तिरंगे को हृदय में स्थापित करने का अर्थ किसी धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र या राजनीतिक विचारधारा के प्रति घृणा पैदा करना नहीं है। इसके विपरीत, इसका अर्थ है कि मतभेदों के बावजूद हम भारतीय होने की साझा पहचान को सर्वोच्च नागरिक बंधन के रूप में स्वीकार करें और प्रत्येक नागरिक की गरिमा का सम्मान करें।

राष्ट्र की रक्षा केवल सीमा पर तैनात सैनिक नहीं करते। सैनिक बाहरी सीमाओं की सुरक्षा करता है, तो नागरिक अपने आचरण से राष्ट्र की आंतरिक शक्ति, सामाजिक स्थिरता और वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करता है। सीमा पर सैनिक का साहस जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण खेत में किसान का परिश्रम, प्रयोगशाला में वैज्ञानिक का शोध, कारखाने में श्रमिक का श्रम, कक्षा में शिक्षक का ज्ञान, उद्यमी का नवाचार और सार्वजनिक जीवन में नागरिक की ईमानदारी है। राष्ट्र निर्माण वास्तव में करोड़ों नागरिकों के सामूहिक कर्म का परिणाम है।

पेंशन की धूल भरी पासबुक

बैंक की शाखा में हर महीने की पहली तारीख को सत्तर साल के भवानी शंकर अपने फटे कुर्ते की जेब से हरे रंग की पुरानी पेंशन पासबुक निकालकर कतार में सबसे आगे खड़े हो जाते थे। उस पासबुक पर जमी धूल को वे अपनी धोती के पल्ले से बार-बार पोंछते और उसे किसी अनमोल दस्तावेज की तरह सहलाते रहते थे। बैंक का युवा मैनेजर जब भी उन्हें काउंटर पर देखता तो चिढ़कर कहता कि बाबा आपकी पेंशन हर महीने सीधे खाते में जमा हो जाती है तो आप रोज सुबह यहाँ आकर पासबुक की छपाई का हठ क्यों पकड़ लेते हैं। भवानी शंकर अपनी झुकी हुई कमर को सीधा करने का प्रयास करते और बहुत शांत स्वर में उत्तर देते कि ₹बेटा इस कागज पर जब तक काली स्याही से लिखावट नहीं छपेगी तब तक मेरे मन को तसल्ली नहीं मिलेगी। पास खड़े गाँव के लोग उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि मासाब को लगता है कि बैंक वाले उनकी पेंशन की एंट्री छिपाकर रख लेंगे। दफ़्तर का चपरासी भी हँसते हुए तंज कसता कि ₹बाबा जब खाते में कुछ होगा ही नहीं तो मशीन बेचारी क्या छापेगी। भवानी शंकर बिना किसी की बात का बुरा माने उस धूल भरी पासबुक को अपनी छाती से चिपकाए चुपचाप कुर्सी पर अपनी बारी का इंतजार करते रहते थे। भवानी शंकर का यह सिलसिला पिछले दो वर्षों से लगातार जारी था चाहे तपती धूप हो या हाड़ कंपाने वाली ठंड। बैंक के कर्मचारी उन्हें एक सनकी और हठी बुजुर्ग मान चुके थे जो बिना किसी काम के रोज दफ़्तर का माहौल भारी कर देता था। एक दिन जब बैंक में बहुत भीड़ थी और सर्वर डाउन होने के कारण लोग हंगामा कर रहे थे तब भी भवानी शंकर शांत भाव से एक कोने में बैठे अपनी पासबुक को निहार रहे थे। मैनेजर ने तंग आकर उन्हें अपने केबिन में बुलाया और मेज पर हाथ पटकते हुए कहा कि बाबा आप रोज यहाँ आकर मेरा समय खराब करते हैं।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 12 अगस्त 2026 बुधवार
सूर्योदय - 06:06 सूर्यास्त 18:58
श्रावण मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 12:00 से 13:30 तक
तिथि-अमावस्या 23:06 उपरांत एकम
नक्षत्र - पुष्य 08:00 उपरांत
योग - व्यतिपात 15:26 उपरांत वरियान
करण - चतुष्पद
चन्द्रमा - दिन पूर्ण कर्क में रहेगा।
मुस्लिम मास-सावान मास 28 तारिख

मेष : स्व-रोजगार से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिलने की संभावना। निवास/कार्य स्थल/कार्य की प्रकृति में परिवर्तन। स्वास्थ्य पर अनावश्यक खर्च।

वृष : परिवर्तनकारी समय। परिवार में भाई-बहनों से जुड़े मांगलिक कार्य। कुछ पुरानी समस्या का समाधान होगा।

मिथुन : आर्थिक लाभ। घर में मांगलिक कार्य होंगे। धन संचय के साथ कुछ पुरानी समस्या का समाधान होगा।

कर्क : मिश्रित प्रभाव। महत्वपूर्ण कार्यों में अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता। स्वास्थ्य एवं मरम्मत पर खर्च।

सिंह: स्वयं या परिवार के सदस्य के निवास/कार्य स्थल में परिवर्तन। निर्माण कार्य तथा खरीदारी पर खर्च।

कन्या : लाभकारी परिवर्तन। नए संबंध/साझेदारी में सफलता। मांगलिक कार्य, विवाह, संतान योग।

तुला : निवास/कार्य स्थल में परिवर्तन। निर्माण कार्य, खरीदारी व मरम्मत पर खर्च की अधिकता।

वृश्चिक : कार्यक्षेत्र में लाभकारी परिवर्तन। कला, शिक्षा, खेल, मीडिया से जुड़े लोगों को अच्छी सफलता।

धनु : संघर्षपूर्ण सफलता। खर्च की अधिकता। महत्वपूर्ण कार्य में आखिरी मौके पर बाधा। विवाद से बचें।

मकर: मांगलिक कार्य। परिवार में मांगलिक कार्य। आर्थिक लाभ। चल-अचल संपत्ति की खरीदारी।

कुंभ : संघर्षपूर्ण सफलता। विवाद/कोर्ट कचहरी का चक्कर। पुरानी स्वास्थ्य समस्या का समाधान।

मीन : संतान पक्ष के लिए शुभ। रुके कार्य बनेंगे। कार्यक्षेत्र में लाभकारी परिवर्तन। महत्वपूर्ण कार्य में सफलता।

समसामयिक

आदिवासी संस्कृति कोई संग्रहालय की वस्तु नहीं, भारत की जीवित आत्मा है

राजेश कुमावत
(दैनिक अवन्तिका)

ढोल की थाप थी। बांसुरी की तान थी।

रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान थे।

महिलाओं के कदमों में लोकनृत्य की लय थी और पुरुषों के हाथों में परंपरा के प्रतीक वाद्य। सड़क के दोनों ओर खड़े लोग इस दृश्य को केवल देख नहीं रहे थे, बल्कि जैसे भारत की किसी पुरानी स्मृति से उनका साक्षात्कार हो रहा था।

यह दृश्य किसी महानगर के सांस्कृतिक महोत्सव का नहीं था। यह दृश्य था मध्यप्रदेश के आगर-मालवा जिले के सोयतकलां नगर का, जहां विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज ने पहली बार नगर के प्रमुख मार्गों से ऐसी भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली, जिसमें परंपरा, संस्कृति, स्वाभिमान और राष्ट्रनायकों की स्मृति एक साथ दिखाई दी। शोभायात्रा में भगवान बिरसा मुंडा का चित्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। झाबुआ क्षेत्र से आए पारंपरिक कलाकारों एवं समाजजनों की वेशभूषा, बांसुरी और लोकवाद्यों ने वातावरण को ऐसा बना दिया कि आधुनिक बाजारों और दुकानों के बीच कुछ समय के लिए जैसे आदिवासी भारत अपनी पूरी सांस्कृतिक गरिमा के साथ सामने आ खड़ा हुआ। नगर के लोगों ने जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया। महिलाएं, पुरुष, बच्चे और युवा बड़ी संख्या में इस सांस्कृतिक यात्रा के साक्षी बने। आतिशबाजी हुई, लोकनृत्य हुए और अंततः शोभायात्रा सुंदरम गार्डन पहुंची, जहां कार्यक्रम का समापन हुआ। लेकिन इस पूरे दृश्य के बीच एक प्रश्न मन में उठता है। क्या आदिवासी दिवस केवल एक दिन आदिवासी नृत्य देखने और पारंपरिक वेशभूषा की प्रशंसा करने का अवसर है? नहीं। वास्तव में यह दिवस हमें भारत को समझने का एक अवसर देता है।

आदिवासी कौन हैं—और भारत के लिए उनका अर्थ क्या है?

आदिवासी शब्द सुनते ही अक्सर हमारे सामने जंगल, पहाड़, पारंपरिक वेशभूषा और लोकनृत्य की तस्वीर उभरती है। यह तस्वीर अधूरी है। आदिवासी समाज को केवल उसकी वेशभूषा, नृत्य और भौगोलिक स्थिति से समझना उसके विराट योगदान को सीमित कर देना होगा। भारत के जनजातीय समाजों ने सदियों से प्रकृति, जल, जंगल, जमीन और सामुदायिक जीवन के साथ एक विशिष्ट संबंध विकसित किया है। उनकी जीवनशैली में प्रकृति केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। उनके लोकगीतों में जंगल बोलता है, उनकी कथाओं में नदियां और पर्वत जीवित पात्रों की तरह उपस्थित होते हैं और उनके पर्व-त्योहार सामूहिक जीवन की भावना को मजबूत करते हैं। आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट, जल संकट, जैव विविधता के संरक्षण और टिकाऊ जीवनशैली की बात कर रही है, तब आदिवासी समाज की परंपराओं और ज्ञान को नए दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र भी यह स्वीकार करता है कि दुनिया के आदिवासी समुदायों के पारंपरिक ज्ञान और जीवन-पद्धतियों में प्रकृति एवं जैव विविधता के संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण अनुभव निहित हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार विश्व में लगभग 476 मिलियन आदिवासी लोग 90 देशों में रहते हैं और वे हजारों विशिष्ट संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अर्थात आदिवासी संस्कृति पिछड़ेपन की निशानी नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अनुभव का एक महत्वपूर्ण ज्ञान-स्रोत भी है। सोयतकलां की शोभायात्रा में बिरसा मुंडा का चित्र इसलिए विशेष अर्थ रखता है क्योंकि बिरसा मुंडा केवल एक जनजातीय नेता नहीं थे। वे भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में जनजातीय समाज के स्वाभिमान और प्रतिरोध के एक महान प्रतीक थे। 15 नवंबर 1875 को जन्मे बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन और शोषणकारी व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष किया।

टीबी उन्मूलन -जागरूकता अब निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर

डॉ. बी.आर. नलवाया,
(दैनिक अवन्तिका)

हमारे देश में अब स्वास्थ्य सुविधाएं आजादी के बाद से बेहतर होती जा रही है। विगत दशकों में क्षय या टीबी या तपेदिक की बीमारी से जन जीवन बेहाल था। टीबी के संक्रमण ने अमीर या गरीब सभी का बुरा हाल बना रखा था। इसकी वजह यह थी , कि ना तो इसका पुख्ता इलाज था और ना हीं जनमानस को इसके संक्रमण से बचाव की समुचित जानकारी थी। दरअसल टीबी रोग भी अन्य संक्रमणों की ही तरह एक साधारण से जीवाणु माइक्रोबैक्टेरियम, ट्यूबरक्लोसिस या एसिड फास्ट बेसिलस से होने वाला संक्रमण है। स्मरण रहे रॉबर्ट काक ने 24 मार्च ,1882 को टीबी के जीवाणु की खोज की थी, जो इस बीमारी को समझने में मिल का पत्थर साबित हुई।

टीबी की बीमारी मानव जाति में ट्यूबरक्लोसिस नामक कीटाणु से होती है। इसमें पीड़ित व्यक्ति जब खांसता है, या छिकता है, तो उसके कीटाणु संपूर्ण वातावरण में फैल जाते हैं। जब दूसरा व्यक्ति इन कीटाणुओं के संपर्क में आता है । तो इसके कण जो हवा में रहते हैं, वह सांस द्वारा उस व्यक्ति के फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं। टीबी के मुख्य लक्षण में 15 दिन से अधिक खांसी का लगातार बने रहना और बुखार, वजन में कमी, भूख न लगना आदि इसके मुख्य लक्षण है । इस रोग की रोकथाम में पहले मरीज को शुरू छह महीने तक हर दिन दवा लेना पड़ती थी, लेकिन अब हफ्ते में एक बार ही इसकी दवा लेना होती है। एंटीबायोटिक दवाइयां का उपयोग बढ़ने से टीबी बैक्टीरिया से प्रतिरोध की ताकत भी बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक रिपोर्ट 2013 के अनुसार दुनिया में सबसे ज्यादा टीबी एवं एमडीआर टीबी के मरीज भारत में है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि टीबी से होने वाली 95 फीसदी मौते निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में होती है। देश में टीबी के मरीजों में महिलाओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले बहुत ही ज्यादा रहती थी।

वर्ष 2014 के बाद भारत ने नई सोच और दृष्टिकोण के साथ टीबी के खिलाफ काम करना शुरू किया। इसके तहत पांच मोर्चो जनभागीदारी, पोषण के लिए विशेष अभियान, इलाज के लिए नई रणनीति, तकनीक का भरपूर इस्तेमाल और अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले खेलो इंडिया और योग जैसे अभियानों पर काम किया। इस तरह टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत साल 2025 तक भारत से टीबी उन्मूलन का आव्हान किया गया था। इस दिशा में भारत सरकार के लगातार प्रयास चल रहे हैं। इससे पिछले कुछ वर्षों से भारत में टीबी के मामलों में काफी कमी आई है। विगत 10 वर्षों में देखे तो इसमें 13 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2015 में हर साल टीबी के 256 नए मामले रिपोर्ट होते थे, जो की वर्ष 2021 में घटकर 210 हो गए। देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए पिछले कई वर्षों से जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। विश्व टीबी उन्मूलन संघ ने भारत को 2030 तक टीबी मुक्त करने का लक्ष्य लिया है। सरकार ,स्वास्थ्य विभाग ,सामुदायिक संगठनों व शैक्षणिक संस्थाओं के संयुक्त जागरूकता के प्रयासों से देश में लक्ष्य समय से पहले हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। जागरूकता कार्यक्रम में रैली और पोस्ट कार्यक्रम के माध्यम से सभी जगह पर आम नागरिक को, विद्यार्थियों, एनएसएस, एनसीसी कैडेट्स टीबी के प्रति जागरूकता का प्रयास कर रहे हैं ।

भारत में मरीजों के करीब 80 प्रतिशत टीबी पल्मोनरी से संबंधित होते हैं, टीबी को पूरी तरह समाप्त नहीं कर पाने के कुछ कारण है। अब टीबी मुक्त देश बनाने के लिए में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय इसके उपचार व उन्मूलन पर तेजी से काम कर रहा है। 2030 तक टीबी का उन्मूलन किया जाना है। अगर समय पर इसके संक्रमण का पता चल जाए और उपचार में लापरवाही नहीं बरती जाए।

धर्म-आस्था

अहंकार छोड़ने में ही भलाई

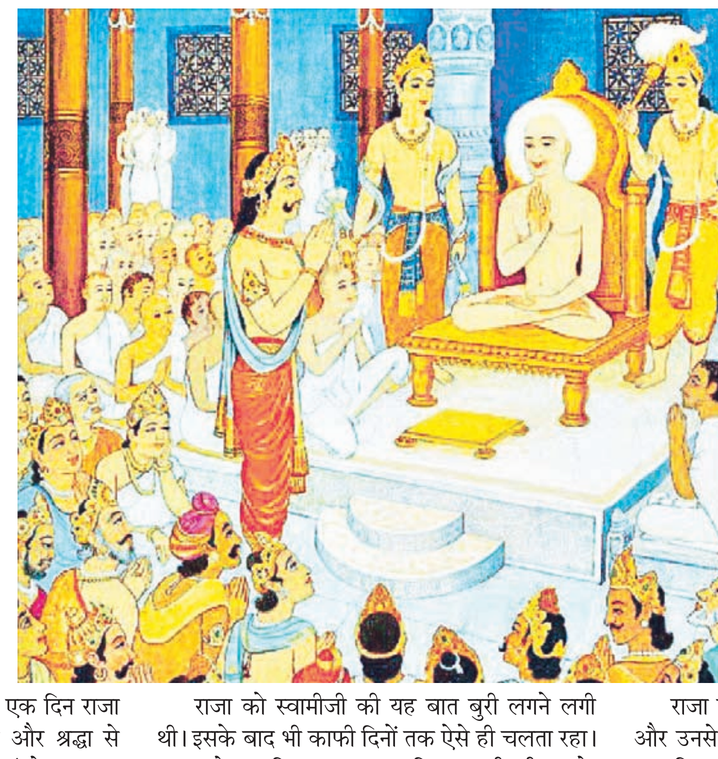

महावीर स्वामी के पास प्रतिदिन हजारों लोग उनके दर्शन करने आया करते थे। इन्हीं श्रद्धालुओं में एक राजा भी महावीरजी के दर्शन करने प्रतिदिन आता था। राजा को अपने राजसी वैभव का बहुत अहंकार था। वह जब भी वहां आता, तो अपने घमंड का प्रदर्शन करता। वह अपने साथ धन, रत्न-जवाहरात आदि लेकर आता था।

राजा के इस वैभव प्रदर्शन को देखकर महावीर स्वामी उससे यह कहते कि राजन इन्हें गिरा दो। महावीर के वचन सुनकर राजा उन रत्नों को वहीं गिरा देता। अगले दिन फिर वही होता। यह क्रम कई दिनों तक चलता रहा। राजा प्रतिदिन महावीरजी के लिए रत्न-जवाहरात लेकर आता और स्वामीजी उससे हर बार की तरह उन्हें गिरा देने की बात कहते। राजा भी उनकी बात सुनकर सभी रत्न और कीमती वस्तुएं वहीं गिरा देता।

ऐसा कई दिनों तक चलता रहा, तो एक दिन राजा को बहुत क्रोध आया कि वह तो प्रेम और श्रद्धा से महावीरजी के लिए रत्न और कीमती वस्तुएं लेकर आता है, लेकिन महावीरजी उसे स्वीकारने के बजाय हर बार गिरा देने की बात कहते हैं।

राजा को स्वामीजी की यह बात बुरी लगने लगी थी। इसके बाद भी काफी दिनों तक ऐसे ही चलता रहा। राजा सोचता कि एक-न-एक दिन महावीरजी उसके दिए उपहारों को जरूर स्वीकार करेंगे।

एक दिन राजा ने अपने मंत्री से इस घटना का जिक्र किया, तो मंत्री ने उन्हें महावीरजी को सिर्फ फूल भेंट देने का परामर्श दिया। मंत्री की बात मानकर राजा इस बार भेंट में देने के लिए फूल लेकर गया, लेकिन महावीरजी ने हर बार की तरह राजा से फूल को भी गिरा देने के लिए कहा। यह देखकर राजा निराश होकर लौट आया और सारी बात मंत्री को बताई। मंत्री ने कुछ सोचते हुए राजा से कहा कि इस बार आप महावीरजी के पास खाली हाथ जाएं।

अगले दिन राजा महावीरजी के पास खाली हाथ गया। राजा ने उनकी ओर देखते हुए कहा कि आज तो मैं आपके पास खाली हाथ आया हूं। आज आप मुझसे क्या गिराने को कहेंगे? महावीरजी ने मुस्कुराते हुए कहा, ‍हराजन अब स्वयं को गिरा दो। यह सुनते ही राजा को ज्ञान हो गया कि महावीरजी उससे उसका अहंकार गिराने की बात कह रहे हैं।

राजा महावीर स्वामी के सामने नतमस्तक हो गया और उनसे क्षमा मांगते हुए अपना अहंकार छोड़ने का प्रण किया। इतना करते ही राजा असीम शांति का अनुभव करने लगा।

– अश्वनी कुमार

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6500 से 6600 विशाल 6300 से 6400 मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 7700 से 7900 महाराष्ट्र लाल 8000 से 8200 कर्नाटक 8100 से - 8300 निमाड़ी तुअर 6500 से 7600 मूंग बेस्ट गर्मी 7200 से 7500 मूंग बेस्ट बोल्ड 7600 से 7800 मीडियम बोल्ड 7400 से 7600 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9300 से 9500 उड़द गर्मी 8600 से 9300 ग्रेविटी क्लीन 9700 से 10000 हल्का उड़द 4000 से 6000 काबुली डॉलर 7500 से 8800 काबुली रशियन 6100 से 6200 बिटकी 5300 से 5400 सरसों निमाड़ी 8100 से 8300 रायडा 7100 से 7200 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 7000 टोली 5300 से 5400 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकबन 2750 से 2800 पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7400 से 7500 मीडियम 7800 से 7900 बेस्ट 8000 से 8300 तुअर दाल 7300 से 7500 मीडियम 8400 से 8700 बेस्ट 9900 से 10100 एक्स्ट्रा बेस्ट -10900 से 11000 ब्रांडेड 12500 मूंग दाल 8900 से 9000 रुपए।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2462-2946, काबली- 5130-8211, बड़ा- 4570-5600, मसूर- 5801-7271, सरसो- 7050-7601, सोयाबीन 3536-7381, तुवर- 4250-4250, तिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्डर्ड- 1,48,000 रवा- 1,47,800 चांदी- टंच- 2,32,000 पाट- 2,31,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

मालवीय बने जिला कांग्रेस सेवा दल जिला महासचिव

सारंगपुर। जिला कांग्रेस सेवा दल राजगढ के संगठन का विस्तार करते हुए प्रदेश नेतृत्व एवं जिला अध्यक्ष प्रियव्रत सिंह के मार्गदर्शन में नई नियुक्तियां की गई हैं। इसमें घनश्याम मालवीय को जिला कांग्रेस सेवा दल का जिला महासचिव नियुक्त किया गया है। जिला अध्यक्ष इंजी. भूपेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा जारी सूची के अनुसार घनश्याम मालवीय को जिला महासचिव बनाए जाने पर स्थानीय नागरिकों, कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

रेलवे ट्रेक पर मृत मिला युवक

शुजालपुर। शुजालपुर और मोहम्मदखेड़ा रेलवे स्टेशन के बीच सोमवार को रेलवे ट्रैक के पास करीब 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस को युवक के पास से पहचान संबंधी कोई दस्तावेज, टिकट या अन्य सामान नहीं मिला। उसके शरीर पर भगवान महाकाल का नाम लिखा वस्त्र मिला है। मृतक के पास से एक मोबाईल मिला, जिस पर आए फोन के आधार पर मृतक बिलासपुर निवासी खेमचंद साहू उर्फ कालू होने की संभावना जताई। हालांकि पुलिस ने अभी पुष्टि नहीं की। मृतक के पास से मिले मोबाईल पर उसके पडोसी का फोन आया था, इसके बाद मोबाईल पानी में गिला होने से बंद हो गया। प्रधान आरक्षक राजेश वर्मा ने बताया कि जिस व्यक्ति का फोन आया उसे शुजालपुर मृतक के संभावित परिजनों के साथ आने के लिए कहा गया है।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी 01. राजेन्द्र सिंह सत्तावन पिता श्री मंगल सिंह, निवासी-74/1, काजीपुरा अंकपात मार्ग, उज्जैन 02. राज मीणा पिता श्री प्रहलाद मीणा, निवासी-उज्जैन के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि सर्वे क्रमांक-471/3/2 रकबा 0.16, सर्वे क्रमांक-472/3 रकबा 0.18 हेक्टर, सर्वे क्रमांक-475/1/3/1 रकबा 0.21 हेक्टर, सर्वे क्रमांक-497/1/1 रकबा 0.30 हेक्टर सर्वे क्रमांक-498/1 रकबा 0.35 हेक्टर, सर्वे क्रमांक-475/1/3/2 रकबा 0.49 हेक्टर में से रकबा 0.09, सर्वे क्रमांक-475/2 रकबा -0.11 हेक्टर, सर्वे क्रमांक-471/1/3 रकबा 0.34 हेक्टर, सर्वे क्रमांक-471/2 रकबा 0.49 हेक्टर, सर्वे क्रमांक-471/3/1 रकबा 0.37 हेक्टर कुल किता 10 कुल रकबा 2.60 हेक्टर भूमि जो कि, ग्राम बड़ोदिया काजी तहसील घटिया जिला उज्जैन में मुख्य मार्ग से अंदर की ओर स्थित हैं। उपरोक्त वर्णित भूमि को क्रय करने का सौदा मेरे पक्षकार ने किया है तथा विक्रय प्रतिफल की बयाना राशि अदा कर दी हैं। यदि उक्त भूमि को विक्रय या अंतरित किए जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तथा उक्त संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निकाय, शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था का या स्थानीय शासन का कोई ऋण भार, बोझ, हित, अधिकार, आधि पत्य, दानग्रस्त व प्रतिभूति ग्रस्त, अनुबंधग्रस्त, सौदा चिट्ठी, बंधकग्रस्त, डिक्री या वारिसान आदि का कोई हक, हित या भार हो या इस विक्रय संव्यवहार में कोई आपत्ति हो या मूल दस्तावेज कहीं बंधकग्रस्त हो तो वह मय प्रमाण के मुझसे इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 07 दिवस में मय प्रमाण मुझे लिखित में आपत्ति मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद अवधि गुजर जाने के पश्चात उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र का पंजीकृत करवा लिया जावेगा। तत्पश्चात कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारक नहीं होगी। सो सूचित हो । इति दिनांक-11.08.2026

राजेश बांठिया एडव्होकेट
ए-5, भरतपुरी काम्पलेक्स, देवास रोड़ उज्जैन
मो-98272-64140

पेंशन का झांसा, अंगूठा लगवाकर जमीन हड़पने का आरोप

बुजुर्ग मां छोटे बेटे की शिकायत लेकर एसपी के पास पहुंची, छोटे बेटे ने बेची

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास के सोनकच्छ के देहरी गांव की एक बुजुर्ग महिला ने अपने छोटे बेटे और दो अन्य लोगों पर 8 बीघा जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि पेंशन शुरू कराने के नाम पर उनसे कई दस्तावेजों पर अंगूठा लगवाया गया। बाद में उनकी जमीन दूसरे लोगों के नाम कर दी गई। सोमवार को महिला अपने बड़े बेटे के साथ एसपी कार्यालय पहुंचीं और शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की।

देहरी गांव निवासी हंजूबाई परमार ने अपने छोटे बेटे दिनेश परमार और सोनकच्छ के दो अन्य लोगों पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने उप पुलिस अधीक्षक बबीता बामनिया को लिखित आवेदन दिया। इसमें मामले की जांच कर जमीन वापस दिलाने की मांग की गई है।

हंजूबाई के अनुसार, उनके छोटे बेटे दिनेश और उसके साथियों ने उन्हें बताया कि पेंशन शुरू करानी है। इसके लिए उन्हें अलग-अलग कार्यालयों में ले जाया गया। वहां कई दस्तावेजों पर उनका अंगूठा लगवाया गया। हर बार उन्हें बताया गया कि यह पेंशन शुरू कराने की प्रक्रिया का हिस्सा है।

महिला का आरोप है कि उन्हें दस्तावेजों में क्या लिखा है, इसकी जानकारी नहीं थी। बेटे ने जहां भी ले जाकर जिस दस्तावेज पर अंगूठा लगाने को कहा, उन्होंने पेंशन शुरू होने की उम्मीद में अंगूठा लगा दिया। आरोप है कि इसी का फायदा उठाकर जमीन से जुड़े दस्तावेजों पर भी उनका अंगूठा ले लिया गया और जमीन दूसरे लोगों के नाम कर दी गई।

हंजूबाई का दावा है कि उनके नाम की करीब 8 बीघा जमीन दो हिस्सों में दूसरे लोगों के नाम हो चुकी थी। उनका आरोप है कि जमीन को उनके बेटे दिनेश और उसके साथ के लोगों ने कथित तौर पर अपने नाम करवा लिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें जमीन से जुड़े कुछ ऐसे फोटो दिखाए गए, जो वास्तविक जमीन से अलग थे। इस संबंध में सोनकच्छ थाने में भी आवेदन दिया गया है।

मामला सामने आने के बाद हंजूबाई सोमवार को अपने बड़े बेटे के साथ एसपी कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने उप पुलिस अधीक्षक बबीता बामनिया को आवेदन देकर मामले की जांच और जमीन वापस दिलाने की मांग की।

केसीसी लोन लेने पहुंचीं तो सामने आया मामला

हंजूबाई के बड़े बेटे जगदीश परमार ने बताया कि जमीन उनकी मां और दोनों भाइयों के नाम पर थी। उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं थी। करीब एक महीने बाद जब वे अपनी मां के साथ केसीसी लोन लेने पहुंचे, तब जमीन के रिकॉर्ड की जानकारी सामने आई।

उप पुलिस अधीक्षक बबीता बामनिया ने बताया कि महिला और उनके परिवार के लोग आए थे। उनका लिखित आवेदन लिया गया है। आवेदन में आरोप है कि बेटे ने रजिस्ट्री करवा ली और महिला को इसकी जानकारी नहीं दी। इस संबंध में सोनकच्छ थाना प्रभारी को जानकारी दी गई है। मामले में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नए विद्यार्थियों ने जाना कॉलेज का शैक्षणिक माहौल दीक्षा आरंभ समारोह आयोजित

शुजालपुर। जे एन एस शासकीय महाविद्यालय में विज्ञान संकाय की ओर से नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षा आरंभ समारोह एवं इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने की। इस दौरान प्राचार्य डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थाओं, पाठ्यक्रमों, छात्रवृत्ति योजनाओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से शैक्षणिक के साथ सांस्कृतिक एवं सह पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। विज्ञान संकाय प्रभारी एवं प्रवेश समिति के नोडल अधिकारी डॉ. मुकेश सिंह मेवाड़ा ने प्रवेश प्रक्रिया और विषय चयन से जुड़ी जानकारी देते हुए विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम प्रभारी एवं गणित विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना गावंडे ने विज्ञान संकाय के विभागाध्यक्षों व प्राध्यापकों से विद्यार्थियों का परिचय कराया। साथ ही मेंटोर प्रणाली, प्रयोगशालाओं, पाठ्यक्रम एवं विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी।

सिंधी समाज की प्रतिभाओं का सम्मान ख्वाहिश की बांसुरी ने बांधा समां

शुजालपुर। सिंधी मेला समिति एवं भारतीय सिंधु सभा भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में भोपाल में प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 475 छात्र-छात्राओं को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी रहे, जबकि अध्यक्षता विधायक भगवानदास सबनानी ने की। विशेष अतिथि के रूप में राजगढ़ पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी एवं शिक्षाविद् कला मोहन मौजूद रहीं। कार्यक्रम में अध्यक्ष मनीष दरयानी, नरेश तलरेजा, प्रदेश अध्यक्ष गुलाब ठाकुर, महामंत्री महेश थारवानी, उज्जैन संभाग प्रभारी खुशीराम आचार्य सहित समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में शुजालपुर से विभिन्न कक्षाओं एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इनमें कक्षा 10वीं की वृंदा खत्री और रिया मनवानी, कक्षा 12वीं के पंकज धनराजानी, मॉनेल खत्री और सागर खूबचंदानी शामिल रहे। वहीं एमबीए की सोनल लालवानी, बीएएमएस की डॉ. दर्शना खत्री, बीसीए की कशिश खत्री, बीटेक की मान्या जैसवानी तथा एम कॉम की मान्या खत्री को भी सम्मानित किया गया। समारोह के सांस्कृतिक कार्यक्रम में शुजालपुर की बालिका ख्वाहिश देव ने बांसुरी वादन की मनमोहक प्रस्तुति दी। उसकी मधुर धुन ने समारोह में मौजूद लोगों का मन मोह लिया और खूब सराहना मिली।

बिजली के पोल में करंट फैलने से गोवंश की मौत

देवास। गोमती नगर में सोमवार सुबह बिजली के पोल में करंट फैलने से एक गोवंश की मौत हो गई। कटी हुई केबल से लीकेज होने के कारण तीन बिजली के खंभों में करंट आ गया था। गनीमत रही कि घटना के समय कोई व्यक्ति या बच्चा इन खंभों के संपर्क में नहीं आया। इससे बड़ा हादसा टल गया। गोवंश की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने बिजली कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। रहवासियों के अनुसार, क्षेत्र में बिजली की केबल कई जगह से कटी हुई और खराब थी। इसकी शिकायत बिजली कंपनी से पहले भी की गई थी। लोगों का आरोप है कि समय रहते केबल को ठीक नहीं किया गया।

प्रशासन ने पीएम श्री स्कूल में लगाए राहत शिविर

भारी बारिश से जलभराव, 150 लोगों का रेस्क्यू एसडीईआरएफ ने नाव से निकाला

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सोयतकलाँ

सोयतकलां में मूसलाधार बारिश के चलते हालात बिगड़ गए हैं। सोमवार रात से जारी तेज बारिश के कारण कोटा-उज्जैन हाईवे समेत वार्ड-4, माधव चौक और पन्नीपुरा क्षेत्र जलमग्न हो गए। आपदा की स्थिति को देखते हुए पुलिस-प्रशासन और एसडीईआरएफ की टीमों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला।

जलभराव वाले इलाकों में एसडीईआरएफ और होमगार्ड की टीमों ने नावों की मदद से बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। होमगार्ड कंपनी कमांडर कविता सोलंकी के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के तहत 150 से अधिक लोगों को पानी के बीच से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

प्रशासन ने बेघर हुए और प्रभावित लोगों के ठहरने के लिए 'पीएम श्री स्कूल' में विशेष इंतजाम किए हैं। इसके साथ ही पालीवाल, ब्राह्मण और राजपूत धर्मशालाओं को भी अलर्ट पर रखा गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर अन्य परिवारों को वहां भेजा जा सके। स्थानीय जनप्रतिनिधि भी राहत कार्यों में लगातार सहयोग दे रहे हैं।

पुलिस प्रशासन ने लोगों से जलभराव वाले इलाकों, उफनते नदी-नालों और पुल-पुलियाओं के पास न जाने की सख्त हिदायत दी है। सुरक्षा के लिहाज से पूरे इलाके में अलर्ट जारी किया गया है।

अफसरों ने पानी में उतरकर लिया जायजा

पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी, अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव और एसडीएम देवकुंवर सोलंकी ने खुद प्रभावित क्षेत्रों में नाव से पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट होने की अपील की और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

माता टेकरी की अब 87 कैमरों से निगरानी, कोतवाली थाने और कंट्रोल रूम से सीधी मॉनिटरिंग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास में विश्वप्रसिद्ध माता टेकरी पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ को संभालने के लिए 28 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इनके लगने के बाद अब पूरी टेकरी 87 सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रहेगी। यह व्यवस्था आगामी नवरात्रि के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को संभालने के लिए की गई है।

नए कैमरे टेकरी के प्रमुख प्रवेश द्वारों और उन जगहों पर लगाए गए हैं, जहां नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या ज्यादा रहती है। कैमरों का एक्सेस कोतवाली थाने और पुलिस कंट्रोल रूम में भी रहेगा। इससे टेकरी पर श्रद्धालुओं की आवाजाही और भीड़ की स्थिति पर सीधे नजर रखी जा सकेगी।

कोतवाली थाना प्रभारी श्यामचंद शर्मा ने बताया कि टेकरी पर 28 नए कैमरे लगाए गए हैं। इनका एक्सेस थाने और पुलिस कंट्रोल रूम दोनों जगह रहेगा। वीडियो मॉनिटरिंग के जरिए व्यवस्था पर नजर रखी जाएगी।

नायब तहसीलदार और टेकरी प्रभारी कपिल गुर्जर ने बताया कि नए कैमरों के बाद टेकरी पर कुल 87 सीसीटीवी कैमरे हो गए हैं। इससे सुरक्षा और व्यवस्था की निगरानी पहले से बेहतर होगी।

नए कैमरे टेकरी के प्रमुख द्वारों, भीड़ वाले स्थानों और जरूरी प्वाइंट पर लगाए गए हैं। दोनों माता मंदिरों के साथ अन्य प्रमुख स्थानों पर भी कैमरों से निगरानी की जाएगी।

भीड़ बढ़ने पर पुलिस को तुरंत मिलेगी जानकारी

पुलिस टीम कैमरों के जरिए टेकरी पर लगातार नजर रखेगी। किसी जगह भीड़ बढ़ने पर वहां तैनात पुलिसकर्मियों से तुरंत संपर्क किया जा सकेगा। इसके जरिए भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

गजराज पर बाबा भोले को विराजित कर निकाली शोभायात्रा

शिवालयों में उमड़ा जन सैलाब

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

भगवान भोलेनाथ की भक्ति क ा दौर सावन माह के चलते जारी है। सावन माह के दूसरे सोमवार को सिटी में सिविल अस्पताल के समीप बागरी मोहल्ला स्थित शिव मंदिर से सिटी क्षेत्र में पालकी यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में विशेष रूप से आयोजन समिति द्वारा हाथी व घोडे बुलाए गए। गजराज को आकर्षक रूप से सजाकर उस पर बाबा भोले को विराजित करते हुए भगवान के जयघोष के साथ यात्रा का शुभारंभ मंदिर के समीप से हुआ। यह यात्रा ढोल नगाडों और भगवान भोलेनाथ की भूतों की टोली के साथ शुरू हुई। साथ ही इस वर्ष भगवान जगन्नाथ का रथ भी यात्रा में शामिल किया गया। जिसे श्रद्धालु रस्सियों के माध्यम से खीचते हुए चल रहे थे। यात्रा में आयोजन समिति द्वारा पालकी को आकर्षक रूप से सजाया गया, जिसमें भगवान शिव को नगर भ्रमण कराया गया। यह पालकी यात्रा पचोर रोड, कन्या शाला मार्ग, भीमपुरा, छोटा बाजार, बडा बाजार होते हुए गुजरी। इस यात्रा का कई स्थानों पर पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया एवं नागरिकों ने पालकी में सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले भगवान की अगवानी करते हुए पूजा अर्चना की। इस शोभायात्रा में शामिल होकर उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार, राज्य मंत्री प्रतिभा बागरी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी पूजा अर्चना की।

भारतीय किसान संघ का प्रदर्शन

शाजापुर। भारतीय किसान संघ ने खरीफ 2025 की सोयाबीन फसल के बीमा वितरण में कथित विसंगतियों को लेकर शासन-प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे बड़ी संख्या में संघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और कलेक्टर के नाम शाजापुर एसडीएम मनीषा वास्कले को अलग-अलग ज्ञापन सौंपे। संघ ने ज्ञापन के माध्यम से खरीफ 2025 की संपूर्ण जिले की पटवारी हल्का-वार शॉर्टफॉल रिपोर्ट उपलब्ध कराने की मांग की है। संघ का कहना है कि यह रिपोर्ट मिलने के बाद किसान अपने क्षेत्र में हुए नुकसान का सही आकलन कर दावा-आपत्ति दर्ज करा सकेंगे।

जाहिर सूचना

सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता नरेन्द्र कुमार बैरवा पिता रामलाल बैरवा निवासी 173 पांवापुरीधाम इन्दौर रोड उज्जैन से उनके द्वारा क्रय भूखंड क्रमांक 173 जो कि अमरीश नगर जिला उज्जैन में स्थित होकर जिसका कुल क्षेत्रफल 135.31 वर्गमीटर को क्रय करने का अनुबंध किया हैतथा उक्त विक्रय अनुबंध बाबत आंशिक राशि का भुगतान कर दिया है, केवल रजिस्ट्री करवाना शेष है।

उक्त भूखंड पर किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक का कोई हित, हक, कर्जा, दावा, बख्शीश या लेना-देना या आपत्ति हो तो आज सूचना प्रकाशन की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित प्रमाण मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा समयावधि पश्चात किसी प्रकार की आपत्ति या दावा बंधनकारक नहीं होगा सुचित हो ।

किसी भी प्रकार की आपत्ति होने पर नीचे लिखे पते पर मय प्रमाण के संपर्क करे इति दिनांक-11.08.2026 उज्जैन

प्रेमलता शर्मा एडवोकेट
कार्यालय - भरतपुरी काम्पलेक्स देवास रोड जिला उज्जैन
मो नंबर 9826354843

जाहिर सूचना

सर्व साधारण एवं सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार ने भूखंड स्वामीगण 1. श्रीमति उषा नागदेवानी पति स्वर्गीय गणेश कुमार नागदेवानी 2. चारू नागदेवानी पुत्री स्वर्गीय गणेश कुमार नागदेवानी 3. मेघा नागदेवानी पुत्री स्वर्गीय गणेश कुमार नागदेवानी निवासीगण - 177-बी, संतराम सिंधी कालोनी, उज्जैन के संयुक्त स्वामित्व स्वत्व एवं आधिपत्य का भूखंड क्रमांक 278, स्थित कस्तूरी बाग कॉलोनी, कानीपुरा रोड / पंचकोषी रोड, उज्जैन में है। उक्त भूखंड का कुल क्षेत्रफल 84.00 वर्गमीटर है, को क्रय करने का सौदा किया है तथा लिखित सौदा चिट्ठी का संपादन कर बयाना राशि अदा कर दी है।

अतः उक्त वर्णित भूखंड पर किसी भी बैंक, पेढी, निगम, वित्तीय संस्था, शासन, प्रायव्हेट व्यक्ति आदि का कोई ऋण, भार, मेन्टेनेन्स बकाया हो या उक्त वर्णित भूखंड में किसी अन्य का कोई हक, हित, हिस्सा व सुखाधिकार किसी भी रूप में निहीत हो या इस विकय बाबत किसी को कोई आपत्ति आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना से 7 (सात) दिवस के अंदर अपनी आपत्ति मय लैखी प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करे ताकि उसका उचित निराकरण किया जा सके। अन्यथा बाद म्याद गुजरने मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त वर्णित भूखंड का विधिवत विक्रय पत्र निष्पादित व पंजीयन करवा लेवेंगे व किसी की कोई आपत्ति आदि मान्य नहीं होगी। सूचित हो। इति दिनांक-10-08-2026 स्थान - उज्जैन

श्याम गुप्ता, एडवोकेट
आफिस नंबर- सीएफ-8, भरतपुरी शांपिंग काम्पलेक्स, देवास रोड़ उज्जैन
मोबाईल नंबर- 99264 66157

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, एलआयसी हाऊसिंग फायनेंस लिमिटेड के समक्ष श्रीमती दीपाली ठक्कर पति श्री विष्णु ठक्कर निवासी-50, मानसरोवर, उज्जैन (म.प्र.) द्वारा द्वारा भवन क्रमांक 166 का उत्तर दिशा वाला भाग जिसका कुल क्षेत्रफल 45.00 वर्गमीटर स्थित मालवीकाधाम, उज्जैन (म.प्र.) जिसके पूर्व में-कॉलोनी की सड़क, पश्चिम में-भवन क्रमांक 144, उत्तर में-भूखण्ड क्रमांक 165 एवं दक्षिण में-भवन क्रमांक 166 का शेष भाग है, को रोहित झांझोट पिता श्री पूनमचंद झांझोट से क्रय करने हेतु ऋण सुविधा की मांग की गयी है, संपूर्ण भूखण्ड को मालवीका गृह निर्माण सहकारी संस्था, उज्जैन द्वारा दिनांक 03.03.2013 को यश धनवानी पिता श्री किशनचंद धनवानी को विक्रय किया गया यश धनवानी द्वारा उक्त संपत्ति का उत्तर दिशा वाला भाग जिसका कुल क्षेत्रफल 45.00 वर्गमीटर को दिनांक 12.06.2017 को रोहित झांझोट पिता श्री पूनमचंद जी झांझोट एवं श्रीमती सपना झांझोट पति श्री रोहित झांझोट निवासी-न्यू अशोक नगर, उज्जैन को विक्रय किया गया तत्पश्चात श्रीमती सपना झांझोट पति श्री रोहित झांझोट का स्वर्गवास हो जाने पर उक्त संपत्ति उनके एकमात्र उत्तराधिकारी पति श्री रोहित झांझोट पिता श्री पूनमचंद झांझोट को उनके वैध उत्तराधिकारी होने के नाते उत्तराधिकार में प्राप्त हुआ है तथा रोहित झांझोट द्वारा स्वयं को स्वर्गीय श्रीमती सपना झांझोट पति श्री रोहित झांझोट का एकमात्र वारिस एवं उत्तराधिकारी होना बताया है, तथा उक्त संपत्ति पर अपने नाम का नामांतरण उज्जैन नगर पालिक निगम उज्जैन के संपत्तिकर अभिलेखों में दर्ज करवा लिया गया है, यदि उक्त संपत्ति को बंधक किये जाने में अथवा श्रीमती सपना झांझोट पति श्री रोहित झांझोट का अन्य कोई वारिस या उत्तराधिकारी हो या कोई आपत्ति हो या किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निकाय, शासकीय अर्द्धशासकीय संस्था का या स्थानीय शासन का कोई ऋण भार, बोझ, हित, अधिकार, आधिपत्य, डिक्री या वारिसान आदि का कोई हक, हित या भार हो या उक्त मूल दस्तावेज किसी व्यक्ति के पास बंधक हो तो वह मय प्रमाण के मुझसे इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर सप्रमाण मुझे कार्यालयीन समय में लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद अवधि उक्त संपत्ति को एल आय सी हाऊसिंग फायनेंस लिमिटेड द्वारा बधंक कर लिया जावेगा। तत्पश्चात कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारक नही होगी। सो सूचित हो। दिनांकः-10.08.2026

विवेक गुप्ता एडवोकेट
11/1, घटकरपर मार्ग, फ्रीगंज, उज्जैन (म.प्र.)
मोबाईल नंबर-9827228461

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्रीमती प्रीती रावत पति श्री दीपक रावत निवासी 66, श्री विहार, कॉलोनी, धार (म.प्र) से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यवसायीक व्यपवर्तित भूमि आराजी सर्वे नंबर 133/3/2 रकबा 0.180 हेक्टर व सर्वे नंबर 133/3/1/2 रकबा 0-14 हेक्टर कुल किता 2 रकबा 0-32 हेक्टर में से 0-190 हेक्टर अर्थात 20000-00 वर्गफीट स्थित ग्राम चिंतामण जवासिया तहसील व जिला उज्जैन (म.प्र.) में है, को उसमें वैष्ठित समस्त सुखाधिकारों सहित क्रय करने का सौदा किया होकर बयाना राशि अदा कर अनुबंध पत्र का निष्पादन करवा लिया होकर भूमि का मौके पर आधिपत्य प्राप्त कर लिया गया है तथा अनुबंध अनुसार विक्रय-पत्र का पंजीयन करवाया जाना है, यदि उक्त भूमि में कोई अपना हित व हिस्सा रखता हो या उक्त भूमि पर किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक अथवा सरकारी, साहूकारी या किसी विभाग या वित्तीय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण भार हो तो ऐसे संबंधित विभाग/व्यक्ति इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 (सात) दिवस की अवधि में मय प्रमाण सहित लिखित में आपत्ति मेरे समक्ष प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण करवाया जा सके, अन्यथा सूचना प्रकाशन की अवधि व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विक्रय पत्र का निष्पादन करवा लिया जावेगा व कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

इति दिनांक :- 11/08/2026 उज्जैन

रितिक बंसल (सर्विस प्रोवाईडर)
सी-7 भरतपुरी कॉम्पलेक्स, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 94250-92149, 90093-04444
कार्यालयीन समय- सुबह 11 से 6 बजे तक

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने दादूसिंह पिता श्री गुलाबसिंह जाति राजपूत निवासी 206, ग्राम जमुनिया शंकर तहसील आलोट जिला रतलाम (म.प्र.) के द्वारा भूमि स्वामि विरेन्द्रसिंह पिता श्री घुडुसिंह जाति राजपूत निवासी ग्राम मंगरोला तहसील व जिला उज्जैन से क्रय एवं क्रय अनुबंधित कृषि भूमि आराजी सर्वे नंबर 1474/2 रकबा 0-680 हेक्टर, सर्वे नंबर 1473/1 रकबा 0-050 हेक्टर, सर्वे नंबर 1471/1/2 रकबा 0-180 हेक्टर कुल किता 3 रकबा 0-910 हेक्टर में से 0-810 हेक्टर भूमि स्थित ग्राम मंगरोला तहसील व जिला उज्जैन (म.प्र.) में है को क्रय करने का सौदा किया विधिवत आंशिक टोकन बयाना राशि अदा कर के सौदा चिट्टी का निष्पादन करवा लिया है तथा अनुबंध पत्र का निष्पादन करवाया जाना है तथा अनुबंध अनुसार शेष राशि अदा कर विक्रय-पत्र का पंजीयन करवाया जाना है। यदि उक्त भूमि में कोई अपना हित व हिस्सा रखता हो या उक्त भूमियों पर किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक, अथवा सरकारी, साहूकारी या किसी विभाग या वित्तीय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण भार हो तो ऐसे संबंधित विभाग/व्यक्ति इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 (सात) दिवस की अवधि में मय प्रमाण सहित लिखित में आपत्ति मेरे समक्ष प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण करवाया जा सके, अन्यथा सूचना प्रकाशन की अवधि व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत विक्रय-पत्र का निष्पादन करवा लिया जावेगा व कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। इति दिनांक :- 11/08/2026 उज्जैन

रितिक बंसल (सर्विस प्रोवाईडर)
सी-7 भरतपुरी कॉम्पलेक्स, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 94250-92149, 90093-04444
कार्यालयीन समय- सुबह 11 से 6 बजे तक

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा श्रीमती भावना पोखरना पति श्री अशोक कुमार पोखरना निवासी मकान नं. A-160, वी.डी. क्लॉथ मार्केट, उज्जैन (म.प्र.) से उनके स्वत्व स्वामित्व व आधिपत्य की संपत्ति भवन क्रमांक 106, जो कि नागेश्वर धाम कालोनी, कानीपुरा रोड़, उज्जैन में स्थित हैं। भवन एक मंजिला अर्थात केवल तल मंजिल आर.सी.सी. का निर्मित हैं। भवन की भूमि का कुल क्षेत्रफल 113.25 वर्गमीटर हैं। भवन के पूर्व दिशा में रोड़ कालोनी, पश्चिम दिशा में दीगर की भूमि, उत्तर दिशा में भूखण्ड/भवन क्रमांक 107 एवं दक्षिण दिशा में भूखण्ड/भवन क्रमांक 105 हैं। उक्त वर्णित संपत्ति आईसीआईसीआई बैंक में बंधक हैं इसके अलावा अन्य किसी बैंक, व्यक्ति, वित्तीय संस्था, शासन या अन्य का कोई ऋण, भार या मतालबा हो या किसी भी शासकीय, अर्द्धशासकीय विभाग का किसी प्रकार का टेक्स, कर, प्रभार, बोझ, पेनल्टी, दंड, ब्याज या देनदारी आदि बकाया हो या उक्त वर्णित सम्पत्ति में किसी का कोई स्वत्व, हित, दान, क्लेम हो अथवा इस विक्रय बाबत कोई आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस के अंदर सप्रमाण मुझे लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण किया जा सकेगा अन्यथा बाद अवधि मैरे पक्षकार द्वारा उक्त सम्पत्ति स्वामी को विक्रय धन अदा किया जाकर उनसे विक्रय पत्र का संपादन व पंजीयन करा लिया जावेगा, तत्पश्चात किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी। सूचित हो। इति दिनांक 11-08-2026

सौरभ जैन, (चौरड़िया) एडव्होकेट
ए-20, भरतपुरी कांप्लेक्स, देवास रोड़, उज्जैन
मो. नं 96177-77776

जाहिर सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने कृषि भूमि स्वामी सुविधा मीणा पति प्रहलादजी मीणा निवासी-ग्राम रूदाहेड़ा तहसील घट्टिय जिला उज्जैन से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे क्रं. 249/1/2 रकबा 0.400 हे. कृषि भूमि स्थितग्राम रूदाहेड़ा तहसील घट्टिया जिला उज्जैन के पटवारी हल्का रूदाहेड़ा तहसील घट्टिया जिला उज्जैन में स्थित होकर फ्री होल्ड राइट्स की कृषि भूमि है, जिसे मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी से क्रय करने का सौदा किया है और आशिक विक्रय मूल्य की राशि भी बयाना स्वरूप अदा कर दी है। अब केवल शेष राशि अदा कर रजिस्ट्री करवाना शेष रह गया है। उक्त कृषि भूमि पर किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक का कोई हित, हक, कर्जा, दावा, बख्शीश या लेना-देना हो तो आज सूचना प्रकाशन की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित प्रमाण मेरे समक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा समयावधि पश्चात किसी प्रकार की आपत्ति या दावा मेरे पक्षकार पर बंधनकारक नहीं होगा और मेरा पक्षकार अपने पक्ष में उक्त कृषि भूमि की रजिस्ट्री करवा लेवेगा। इति दिनांक 11.08.2026

मनोज तोंगर (गुर्जर), एड्व्होकेट
15/7, श्रीराम कॉलोनी अंकपात मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)
मोबाइल : 9827637380

श्रीमती सांकलिया का निधन

महिदपुर रोड। नगर सांकलिया समाज के सब्जी विक्रेता स्वर्गीय जगन्नाथ सांकलिया की धर्मपत्नी स्वर्गीय अशोक सांकलिया राम रतन सांकलिया (नाना) की

माताजी रूपा बाई सांकलिया का रविवार को निधन हो गया सोमवार को निज निवास से निकली अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में रिश्तेदार समाजजनों तथा नगर वासियों ने ने शामिल होकर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

श्री बिल्वकेश्वर महादेव मंदिर पर आज भंडारा

जगोटी। जगोटी से छः किलोमीटर पश्चिम में गांगी नदी के तट पर स्थित प्राचीन श्री बिल्वकेश्वर महादेव मंदिर पर सावन मास में प्रति वषार्नुसार अखंड रामायण पाठ चल रहा है, घने जंगल में पौराणिक महत्व के इस धार्मिक स्थल पर इन दिनों क्षेत्र के चालीस से अधिक गांवों से श्रद्धालुओं व महिलाएं प्रतिदिन जलाभिषेक हेतु पैदल पहुंच रहे हैं, आगामी 12 अगस्त हरियाली अमावस्या को मंदिर परिसर में चालीस गांवों के श्रद्धालुओं की ओर से भंडारे का आयोजन किया जा रहा है।

श्री विष्णु सहस्त्रनाम पाठ कर स्थापना दिवस मनाया

महिदपुर। नगर में 50 वर्ष पूर्व विद्वान प्रबुद्ध जन स्व, पंडित सेवाराम शर्मा, दिगंबर शास्त्री, मांगीलाल जी परमार, ओमप्रकाश खत्री, के.एल. गुलाटी वकील साहब, मनोहरलाल सोनी, ताराचंद उथरा, भगवान दास उथरा आदि द्वारा प्रत्येक एकादशी पर निःशुल्क श्री विष्णु सहस्त्रनाम पाठ लोगों के घरों पर किया जाता आ रहा था इस परंपरा का निर्वहन अभी भी पं. गिरीश शर्मा द्वारा अपने सहयोगियों मनोहर लाल सोनी, श्याम सुंदर ग्रोवर, ताराचंद उथरा, प्रकाश खीरबाठ, गिरधारीलाल उथरा, हरिसिंह ठक्कर मनोहर सोनी, प्रेम परिहार आदि सदस्यों द्वारा सतत करते आ रहे हैं। जिसे इस एकादशी को 50 वर्ष पूर्ण होने पर श्री राधा कृष्ण मंदिर पंजाबी समाज में एक भव्य कार्यक्रम के रूप में पहले सहस्त्रनाम का पाठ पश्चात भजन संध्या महा आरती महाप्रसादी का आयोजन कर मनाया गया।

महिदपुर क्षेत्र में 12 घंटे में 83 मी. मि. वर्षा हुई

महिदपुर। सोमवार सुबह 4 बजे से वर्षा शुरू हुई जो शाम 4 बजे बन्द हुई इस अवधि में 83 मी. मी. (सवा तीन इन्च) वर्षा हुई नदी-नालों में बाढ आ गई खेतों में पानी भर गया सोयाबीन की फसल को काफी लाभ हुआ। कुओं का जल स्तर बढ़ गया। इस वर्ष अभी तक 542 मी. मी. (पौने बाईस इन्च) वर्षा हो गई है जबकी गतवर्ष आज दिनांक तक 326 मी. मी. (तेरह इन्च) वर्षा हुई थी। मंगलवार सुबह से रुक रुक कर हल्की वर्षा हो रही है। क्षेत्र के बांधों में जलस्तर बढ़ रहा है। क्षिप्रा और काली सिन्ध नदी में तेज प्रवाह से बाढ़ का पानी बह रहा है। सिंचाई विभाग के जवाबदार अधिकारी से सम्पर्क न होने से बांधों के जलस्तर की जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है।

डॉ. भगवती प्रसाद जोशी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत

महिदपुर। अखिल औदीच्य ब्राह्मण महासभा संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश पटेल की अनुशंसा पर सामाजिक, सांस्कृतिक, संगठनात्मक योगदान एवं समाज सेवा के प्रति समर्पण को दृष्टिगत रखते हुए डॉ. भगवतीप्रसाद जोशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। इंदौर बीएम कॉलेज में आयोजित सामाजिक समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष और समाज के अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा श्री जोशी का अभिनंदन कर नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। तथा जगदीश उपाध्याय बैजनाथ को प्रदेश उपाध्यक्ष, अमृत रावल कढ़ाई को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया तथा अन्य पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र प्रदान किए।

पूर्व भाजपा पार्षद का निधन

तराना। पाला मोहल्ला निवासी

स्वर्गीय दिनेश तेनगुरिया की पत्नी एवं दीपक तेनगुरिया की माता पूर्व भाजपा पार्षद चंद्रकांता तेनगुरिया का निधन हो गया है। निवास स्थल से अंतिम यात्रा निकली जिसमें रहवासी परिजन, समाजजन आदि ने शामिल होकर शांति वन में श्रद्धांजलि अर्पित की।

सारंगपुर विकासखंड के ग्राम पड़ाना में हुआ था हादसा

मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की

अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा-राजगढ़

सारंगपुर विकासखंड के ग्राम पढ़ाना के समीप झिरी नाले में तेज बहाव के कारण इको वाहन के बह जाने की घटना की सूचना प्राप्त होते ही जिला प्रशासन द्वारा तत्काल राहत एवं बचाव अभियान प्रारंभ किया गया। प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ एवं होमगार्ड की टीमों ने मौके पर पहुंचकर विपरीत एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में लगातार रेस्क्यू अभियान चलाया। रेस्क्यू टीमों के अथक प्रयासों एवं आपसी समन्वय से 2 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा 9 मृतकों के शव बरामद किए गए हैं। सभी संभावित प्रभावितों की तलाश एवं आवश्यक कार्रवाई पूर्ण होने के साथ ही रेस्क्यू ऑपरेशन पूर्ण कर लिया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ एवं होमगार्ड की टीमें तत्काल घटनास्थल पर पहुंचीं। तेज बहाव एवं लगातार बारिश के बीच टीमों द्वारा राहत एवं बचाव कार्य किया गया। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी द्वारा घटनास्थल की लगातार निगरानी करते हुए रेस्क्यू अभियान में जुटी टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने झिरी नाले की घटना में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रत्येक मृतक के परिवार को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप पात्र मृतकों के परिजनों को नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आरबीसी 6-4 के प्रावधानों के अंतर्गत भी नियमानुसार राहत राशि प्रदान करने की कार्रवाई की जा रही है।

जिला प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों को प्रभावित परिवारों के साथ संवेदनशीलता से कार्य करने तथा उन्हें आवश्यक सहायता एवं सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशासन द्वारा घटना से जुड़े सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जा रहा है।

राजगढ़ जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण नदी-नालों एवं जलस्त्रोतों में पानी का बहाव तेज है। जिला प्रशासन नागरिकों से अपील की कि तेज बहाव वाले नदी- नालों, पुलों एवं रपटों को पार करने का जोखिम न लें। जलभराव अथवा बाढ़ की स्थिति में सुरक्षित स्थान पर रहें तथा प्रशासन एवं पुलिस द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। मुश्किल की हर घड़ी में जिला प्रशासन नागरिकों के साथ खड़ा है। नागरिकों की सुरक्षा, राहत एवं बचाव के लिए प्रशासन एवं पुलिस की टीमें लगातार तत्परता से कार्य कर रही हैं।

अखंड भारत संकल्प दिवस पर बौद्धिक सम्पन्न

विभाजन की विभीषिका को याद कर सांस्कृतिक एकता और अखंडता का लिया संकल्प

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

हिंदू जागरण मंच द्वारा प्रतिवर्ष 14 अगस्त अखंड भारत संकल्प दिवस सप्ताह मनाया जाता है। इसी क्रम में महिदपुर नगर की स्थानीय ओदिच्य ब्राह्मण समाज धर्मशाला परिसर में बौद्धिक सभा का आयोजन किया गया। सभा के दौरान भारत के विभाजन की ऐतिहासिक परिस्थितियों, उससे जुड़ी पीड़ा और विस्थापन की घटनाओं को स्मरण करते हुए देश की सांस्कृतिक एकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय अखंडता के प्रति संकल्प व्यक्त किया गया।

अखंड भारत संकल्प दिवस का उद्देश्य केवल अतीत की घटनाओं को याद करना नहीं, बल्कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को देश के इतिहास, सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय एकता के महत्व से परिचित कराना भी रहा। मंच द्वारा इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर बौद्धिक सभाओं, सामूहिक दीप प्रज्वलन, मशाल रैली एवं बाइक रैलियों सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। इन आयोजनों के माध्यम से समाज में राष्ट्र के प्रति जागरूकता, एकता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जाता है।

सभा में वक्ताओं ने कहा कि भारत का विभाजन देश के इतिहास की अत्यंत पीड़ादायक घटनाओं में से एक रहा है। विभाजन के दौरान लाखों लोगों को अपने घर, जमीन और परिचित परिवेश से विस्थापित होना पड़ा तथा बड़ी संख्या में लोगों ने हिंसा और अव्यवस्था का सामना किया। ऐसे में विभाजन की स्मृतियों को याद करना इतिहास से सीख लेने और भविष्य में समाज को विभाजनकारी परिस्थितियों से बचाने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर हिंदू जागरण मंच के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य नेपाल सिंह डोडिया, जिला संयोजक दिलीप सिंह चौहान, जिला सहसंयोजक प्रधान सिंह चौहान, जिला कार्यकारिणी सदस्य नंदकिशोर परमार, बालाराम मकवाना, बालुसिंह चौहान, हलकार सिंह राठौर, खंड संयोजक दातार सिंह, खंड सहसंयोजक तेजूलाल चौधरी, लोकेंद्र सिंह राठौर सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित समाजजनों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति संकल्प व्यक्त किया। सभा का उद्देश्य समाज में राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने के साथ ही विभाजन के इतिहास से सीख लेकर आने वाली पीढ़ियों के बीच एकता, सद्भाव और राष्ट्रहित की भावना को मजबूत करना रहा। जानकारी हिंदू जागरण मंच के अविनाश महाराज द्वारा दी गई।

पाडल्यामाता में बारिश का पानी घरों, दुकानों और मंदिरों में घुसा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ पाडल्यामाता।

पाडल्यामाता क्षेत्र में रविवार देर रात से शुरू हुआ मूसलाधार बारिश का दौर सोमवार सुबह तक लगातार जारी रहा। इसके चलते अल सुबह पाडल्यामाता और इसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में चारों तरफ पानी ही पानी नजर आया। निचले इलाकों में जलभराव होने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ गई। ग्रामीणजनों ने बताया कि मौसम की अभी तक की सबसे तेज बारिश हुई हैं प्राचीन श्रीखेडापति हनुमान मंदिर परिसर में चार फीट तक पानी भर गया वही ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर में महादेव पूरी तरह जलमग्न हो गए मंदिर जाने वाले रास्ते की पुलिया पर छः फीट तक पानी भरा होने के कारण श्रावण सोमवार पर भोलेनाथ का पूजन भी श्रद्धालुओं द्वारा घर से किया गया। वही काचरिया रोड पर पानी अधिक होने से लोगों के घरों और दुकानों में पानी भर गया। दूध डेयरी, कपडा, किराना, इलेक्ट्रिकल आदि दुकानों में पानी भर गया। लोगों ने जल मोटर और बाल्टी के सहारे घरों व दुकानों का पानी निकालते रहे। दुकानों में रखे सामानों में पानी लगने से दुकानदारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। वही सब्जी मंडी में पानी होने से सब्जी की दुकानें भी नहीं लग पाई। ग्राम जमनागंज में काई नदी में अधिक पानी आने से नदी के समीप घरों में पानी घुस गया। रहवासी इंद्रसिंह पिता गंगाराम सुरावत जमानगंज के घर में रखे 8 से 10 क्विंटल गेहूं पानी में तरबतर हो गए। ग्राम बिलोदापाल का माध्यमिक विद्यालय जलमग्न हो गया। मौसम की पहली मूसलाधार बारिश से निचले इलाकों में भारी जलभराव होने से आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया।-

कपिलेश्वर गीता स्वाध्याय मंडल द्वारा गीता स्वाध्याय पाठ का आयोजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर।

कपिलेश्वर गीता स्वाध्याय मंडल द्वारा गीता स्वाध्याय पाठ का आयोजन यजमान राधेश्याम माहेश्वरी बालाजी मंदिर पर किया गया। विश्वगीता प्रतिष्ठानम उज्जयिनी द्वारा संचालित गीता स्वाध्याय के अंतर्गत सर्वप्रथम घर-घर गीता का प्रचार हो गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान श्री कृष्ण एवं श्रीमद् भागवत गीता की पूजन अर्चना कर दीप प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर अमृत वचन के अंतर्गत सिया पाल अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अर्जुन जैसा मित्र वह होता है जो जीवन में सही मार्ग दिखाएं, कठिन समय में साथ खडा रहे और हमें आगे बढने की प्रेरणा दे। वहीं कर्ण जैसा मित्र वह होता है जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपने मित्र का साथ ना छोडे और मित्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने को तैयार रहे। सच्ची मित्रता वही है, जिसमें विश्वास समर्पण निष्ठा और एक दूसरे के सुख-दुख में साथ देने की भावना हो जीवन में ऐसा मित्र मिलना वास्तव में ईश्वर के आशीर्वाद के समान है। तत्पश्चात विश्वगीता प्रतिष्ठानम उज्जैयिनी के स्वाध्याय पत्रक पाठ के अंतर्गत श्रीमद् भागवत गीता के ग्यारह श्लोक का उच्चारण कपिलेश्वर स्वाध्याय मंडल के स्वाध्यायी द्वारा किया गया।

किसानों ने दूध के दामों की बढ़ोत्तरी को लेकर की हड़ताल

खाचरोद। नगर के किसानों द्वारा दूध के दामों को लेकर लामबंद होकर हड़ताल करली। शाम ओ चामुंडा माता मंदिर में किसान की एक बैठक आयोजित की गई। सभी ने दूध के दामों पर एकता से दूध का मूल्य 70 रु. करने के लिए शाम से नगर खाचरोद में दूध सप्लाई बंद कर दिया। किसानों द्वारा बताया कि पशुओं के आहार खल आदि के दामों में वृद्धि होने से किसान को दूध का दाम नहीं पुर रहा है। सभी प्रकार के पशु आहार के दामों बढ़ने से दूध के दाम भी बढ़ाना चाहिए अभी दूध के दाम 54 रुपये है। दूध एकता संघ द्वारा हड़ताल कर दी गई।

अखिल भारतीय सोंधिया राजपूत महासभा का प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

अखिल भारतीय सोंधिया राजपूत महासभा जिला का प्रशिक्षण वर्ग आगर रोड स्थित एक निजी स्कूल में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण वर्ग में महासभा के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में संगठन को मजबूत बनाने, समाज में एकता बनाए रखने तथा युवाओं को संगठन की गतिविधियों से जोड़ने सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में महासभा के राष्ट्रीय महासचिव प्रताप सिंह सिसोदिया, राष्ट्रीय सचिव तारा सिंह, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं सुसनेर विधायक भेरूसिंह बापू, प्रदेश सह संगठन मंत्री रणजीत सिंह गरोठ, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन सिंह, पर्यावरण प्रमुख चंदर सिंह पंवार, प्रदेश सचिव नारायण सिंह, प्रदेश प्रवक्ता दरबार सिंह किलगारी, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम सिंह एवं प्रदेश सचिव राजपाल सिंह उपस्थित रहे। इसके साथ ही जिला अध्यक्ष बलवंत सिंह बोडाना, युवा जिला अध्यक्ष राज तंवर, मनासा-सुसनेर ब्लॉक अध्यक्ष रामचंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान संगठन की आगामी गतिविधियों एवं सामाजिक कार्यों को लेकर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव नारायण सिंह ने किया।

सावन में कावड़ यात्राएँ पहुँच रही शिवालय

सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

सावन माह के दूसरे सोमवार को नगर के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। सुबह से ही भगवान भोलेनाथ के दर्शन और पूजन के लिए भक्त मंदिरों में पहुंचते रहे। शाम को मंदिरों में भगवान शिव का आकर्षक श्रृंगार कर विशेष आरती की गई। इस दौरान मंदिरों में भक्ति और उत्साह का माहौल नजर आया।

मेला ग्राउंड स्थित श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का कैलाश पर्वत एवं हिमालय श्रृंगार किया गया। बर्फीले पर्वतों के बीच विराजमान भगवान शिव का स्वरूप मनोहारी नजर आया। श्रृंगार के माध्यम से कैलाश पर्वत का दृश्य प्रस्तुत किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

इसी प्रकार ओंकारेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का बालरूपी संध्या आरती श्रृंगार किया गया। बाबा को नाग, त्रिशुल और चंद्रमा के साथ शयन मुद्रा में सजाया गया। संध्या आरती के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही और भक्तों ने भगवान शिव के विशेष श्रृंगार के दर्शन किए। वहीं डाक बंगला स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का खाटूश्याम बाबा के साथ विशेष श्रृंगार किया गया। आकर्षक सजावट और मनोहारी श्रृंगार को देखने के लिए शाम को बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। सावन सोमवार के चलते नगर के शिवालयों में दिनभर धार्मिक आयोजन और पूजा-अर्चना का दौर चलता रहा। शाम को मंदिरों में हुई आरती के दौरान हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

खरसौदकलां

श्रावण मास के दूसरे सोमवार को खरसौदकलां सहित आसपास के क्षेत्र में भगवान शिव की भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। रिमझिम बारिश के बीच अलग-अलग कांवड़ यात्राओं के जत्थे शिवालयों तक पहुंचे। कांवड़ियों ने पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और अच्छी वर्षा की कामना की। सुबह से ही शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंजते रहे।

कावड़ यात्रा फूलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचीं

श्रावण सोमवार के अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने चामलेश्वर महादेव मंदिर से कांवड़ यात्रा प्रारंभ की। महिलाएं कांवड़ में पवित्र जल लेकर धार्मिक जयकारों के साथ यात्रा में शामिल हुईं और पैदल चलकर फूलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचीं। यहां पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा कांवड़ में लाए गए जल से शिवलिंग का अभिषेक किया। इधर बच्चों ने भी रिमझिम बरसते पानी में यात्रा नगर के प्रमुख मार्ग से निकाली। बच्चों की कांवड़ यात्रा में पालक भी उत्साह वर्धन के लिए शामिल हुए।

अभाविप के अनिल सिलोरिया नगर अध्यक्ष एवं हनु सोनी को नगर मंत्री की जिम्मेदारी

सुसनेर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की नगर इकाई सुसनेर के वर्ष 2026-27 के नवीन सत्र के लिए नगर कार्यकारिणी की घोषणा की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आगर जिला विस्तारक पीयूष यादव उपस्थित रहे। नवीन कार्यकारिणी की घोषणा प्रांत कार्यकारिणी सदस्य उमा सिसोदिया ने की। घोषित कार्यकारिणी में अनिल सिलोरिया को नगर अध्यक्ष एवं हनु सोनी को नगर मंत्री का दायित्व सौंपा गया। संगठन को मजबूत करने और आगामी सत्र में छात्र हित एवं सामाजिक गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करने के उद्देश्य से अन्य कार्यकताओं को भी विभिन्न दायित्व प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रांत कार्यकारिणी सदस्य गोविंद पाटीदार ने किया। समापन अवसर पर हनु सोनी ने उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने नवनियुक्त दायित्ववान कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए संगठन के कार्यों को सक्रियता से आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

एक पेड़ माँ के नाम श्री मेवाड़ा माली समाज ने भीमाखेड़ा धर्मशाला में रोपे 251 पौधे

महिदपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जन-जन को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करने वाले अभियान एक पेड़ माँ के नाम के अंतर्गत श्री मेवाडा माली समाज द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। समाज द्वारा श्री देव धर्मराज नाग मंदिर, भीमाखेड़ा धर्मशाला परिसर में 251 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से 'क्रिस्टीलिया फायकश' प्रजाति के पौधे लगाए गए। यह सुंदर और दर्शनीय पौधे पर्यावरण को शुद्ध रखने के साथ-साथ सभी जीवों के लिए पर्याप्त मात्रा में प्राणवायु (ऑक्सीजन) प्रदान करने में सहायक सिद्ध होंगे। वृक्षारोपण के इस पावन कार्य में श्री मेवाड़ा माली समाज एवं श्री देव धर्मराज नाग मंदिर समिति के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष लालसिंह गुदिया, कन्हैया पहलवान, अंबाराम पड़ोलिया, मेवाड़ा माली समाज तहसील अध्यक्ष कालूराम मैकाले, मदनलाल पड़ोलिया, पीराचंद पटेल, राधेश्याम मुनीम, कन्हैयालाल बल्डिया, गोवर्धन पटेल, रामकिशन खेड़ीवाले, मूलचंद मंडावरा, सत्यनारायण मुवाला तथा मंदिर के पुजारी ओमप्रकाश जोशी सहित समाजजन उपस्थित रहे।

सनोलिया ने राज्यपाल को उनके भाषणों पर प्रकाशित पुस्तकों का सेट किया भेंट

खरसौदकलां। कर्नाटक के राज्यपाल महामहिम डॉ. थावरचंद गहलोत शनिवार शाम पत्रकार कैलाश सनोलिया के निवास पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सनोलिया को कर्नाटक के राज्यपाल के रूप में दिए गए अपने भाषणों पर प्रकाशित पुस्तकों का सेट भेंट किया। इस अवसर पर सनोलिया के पुत्र अभिभाषक आशीष सनोलिया ने राज्यपाल डॉ. गहलोत का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। इस दौरान सनोलिया परिवार के सभी सदस्य सहभागी बने। सनोलिया ने राज्यपाल डॉ. गहलोत को हिन्दुस्तान समाचार एजेंसी संस्थान द्वारा प्रकाशित युग वार्ता का विशेषांक भेंट किया। इस विशेषांक में आपातकाल का विस्तार से वर्णन किया गया है। इसका संपादन पद्मश्री पत्रकार डॉ. रामबहादुर राय ने किया है। विशेषांक में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय नेता कैलाश सोनी सहित अन्य प्रमुख व्यक्तियों के आलेख प्रकाशित हैं।

पाडल्यामाता में किराना एसोसिएशन की बैठक संपन्न, कैलाश पाटीदार अध्यक्ष मनोनीत

पाडल्यामाता। ग्राम पाडल्यामाता में क्षेत्र के किराना व्यापारियों की एक आवश्यक बैठक उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में व्यापारिक संगठन की मजबूती, आपसी सामंजस्य और व्यापारियों की स्थानीय समस्याओं के त्वरित निराकरण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। यह महत्वपूर्ण बैठक ग्राम पंचायत पाडल्यामाता के सरपंच सुभाषचन्द्र पाटीदार एवं वरिष्ठ समाजसेवी गोवर्धन सिंह पाटीदार (लाला बा) की गरिमामयी अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती के लिए सर्वसम्मति से किराना एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश पाटीदार, कोषाध्यक्ष अफजल मंसूरी एवं सचिव सुनील माहेश्वरी की नियुक्ति की गई। नवीन कार्यकारिणी की घोषणा होते ही उपस्थित व्यापारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से आत्मीय स्वागत किया और उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों ने व्यापारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन के माध्यम से किराना व्यापारियों की हर छोटी-बडी समस्या को एकजुटता के साथ संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि एसोसिएशन सदैव व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए पूरी निष्ठा से निरंतर कार्य करेगी। इस बैठक में क्षेत्र के बडी संख्या में स्थानीय किराना व्यवसायी और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

एसिडिटी से राहत के लिए रोज एक चम्मच गुलकंद खाने के फायदे

शरीर की गर्मी और एसिडिटी को कम करने के लिए गुलकंद का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में इसका सेवन नियमित रूप से किया जा सकता है।

तापमान बढ़ने के कारण शरीर की गर्मी बढ़ जाती है। इसके कारण पेट में गर्मी होने, पेट खराब होने, एसिडिटी, थकान होने और कब्ज होने जैसी समस्याएं होती हैं। इस स्थिति में गुलकंद का सेवन किया जा सकता है। औषधीय गुणों से भरपूर गुलकंद का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसकी तासीर ठंडी होती है, साथ ही इसमें आयरन, कैल्शियम, डायटरी फाइबर, विटामिन, ए, सी, ई और बी जैसे पोषक तत्व और एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लेमेटरी के गुण होते हैं। इससे पाचन को कई लाभ मिल सकते हैं। आइए आयुवेर्दा की डायरेक्टर और स्त्री रोग विशेषज्ञ और आयुर्वेदिक डॉक्टर से जानें पेट के लिए गुलकंद खाने के क्या फायदे हैं?

खून में अच्छी मात्रा में आयरन होता है। इसका सेवन करने से शरीर में खून की कमी को दूर करने में मदद मिलती है। इससे स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिलती है।

गुलकंद में अच्छी मात्रा में विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स के गुण होते हैं। इसका सेवन करने से शरीर की इम्यूनिटी को बूस्ट करने और बीमारियों से बचाव करने में मदद मिलती है।

शरीर को एनर्जी दे

गर्मियों में अधिक पसीना निकलने के कारण व्यक्ति को कमजोरी और थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। ऐसे में गुलकंद का सेवन करने से शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ एनर्जी देने में भी मदद मिलती है।

स्किन को हेल्दी रखे

गुलकंद में अच्छी मात्रा में विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट्स के गुण होते हैं। रोज 1 चम्मच गुलकंद खाने से स्किन को हेल्दी रखने और गर्मी के कारण होने वाले त्वचा के रैशेज और मुंहासों को कम करने में मदद मिलती है।

रोज गुलकंद खाने के फायदे

गुलकंद में बहुत से औषधीय गुण होते हैं, साथ ही इसका तासीर ठंडी होती है। ऐसे में गर्मियों में इसका सेवन करने से पाचन को दुरुस्त करने और शरीर की गर्मी को कम करने में मदद मिलती है।

पेट की गर्मी को कम करे

गुलकंद की तासीर ठंडी होती है। ऐसे में गर्मियों में रोज 1 चम्मच गुलकंद का सेवन करने से शरीर के तापमान को बैलेंस करने, पेट को ठंडक देने, पेट की गर्मी को कम करने और लू से बचने में मदद मिलती है।

एसिडिटी से राहत दे

गुलकंद में अच्छी मात्रा में डायटरी फाइबर होता है। इसका सेवन करने से पेट की जलन, गैस, एसिडिटी, अपच और खट्टी डकार को कम करने में मदद मिलती है। इससे पाचन तंत्र को दुरुस्त करने में मदद मिलती है।

फूड्स जो बढ़ाते हैं दांतों की सेंसिटिविटी

कई लोगों को ठंडी आइसक्रीम खाने, गर्म फूड लेने या किसी खट्टी चीजों को खाते ही दांतों में अचानक से तेज झनझनाहट होने या दर्द महसूस होने की समस्या होती है। कुछ लोगों में ये परेशानी बढ़ जाती है, जिसके कारण लोग कुछ फूड्स को खाने से बचने लगते हैं। दांतों में सेंसिटिविटी की समस्या कुछ फूड्स के कारण बढ़ने लगते हैं। ठंडे, खट्टे और गर्म चीजों को खाने से लोगों में दांतों की सेंसिटिविटी होने लगती है। ऐसे में लोगों को कुछ फूड्स का सेवन करने से बचना चाहिए। नींबू, मौसमी और कुछ अन्य खट्टे फलों में नेचुरल एसिड होता है। ऐसे में बार-बार इनका सेवन दांतों के इनेमल पर एसिड का असर बढ़ा सकता है। इसके कारण दांतों की सेंसिटिविटी को बढ़ावा मिल सकता है। ध्यान रहे, फलों को पूरी तरह छोड़े न। फलों के जूस में नेचुरल शुगर के साथ एसिड भी हो सकता है। खासकर जूस को बार-बार थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पीते रहने से दांत लंबे समय तक एसिड के संपर्क में रह सकते हैं। इसके कारण दांतों को नुकसान होने या सेंसिटिविटी बढ़ने की समस्या हो सकती है। खट्टी कैंडी में अधिक मात्रा में मीठा होता है। कैंडी को लंबे समय तक मुंह में रखने से दांत लंबे समय तक मीठे के संपर्क में रह सकते हैं। इससे दांतों की सेंसिटिविटी के साथ कैविटी का खतरा भी बढ़ सकता है।

Sport

2026 में उभरी भारतीय महिला शटलरों की युवा ब्रिगेड

बैडमिंटन में नई पीढ़ी उम्मीद जगा रही

देविका-तन्वी-उन्नति के बाद अब अश्मिता चालिहा ने किया धमाका

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

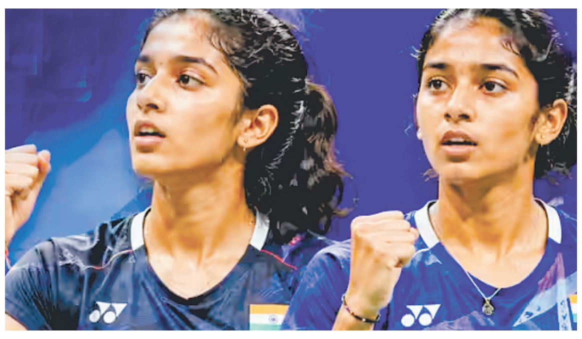

भारतीय महिला बैडमिंटन लंबे समय से दो नामों के इर्द-गिर्द घूमता रहा है-साइना नेहवाल और पीवी सिंधु। लेकिन वर्ष 2026 भारतीय बैडमिंटन के इतिहास में एक बड़े ह्यपीढ़ीगत बदलावॿ के रूप में दर्ज हो रहा है। शुरूआत फरवरी में देविका सिहाग से हुई। उसके बाद इस माह तन्वी शर्मा और अब रविवार को अश्मिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स 2026 का खिताब जीतकर धमाका कर दिया।

हालांकि इनके बीच जुलाई में पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर 750 जीतकर भारत को बड़ा खिताब दिलाया। खास बात यह है कि इस साल चार अलग-अलग भारतीय खिलाड़ियों ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के सुपर 300 या उससे ऊंचे स्तर के खिताब जीते। इसके अलावा, यह दुर्लभ मौका है जब महज एक हफ्ते के अंतर पर (2 अगस्त को तन्वी-ताइपे ओपन और 9 अगस्त को अश्मिता) दो अलग-अलग युवा महिला खिलाड़ियों ने विदेशी धरती पर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीते।

26 वर्षीय अश्मिता कोरिया मास्टर्स खिताब जीतने वाली पहली भारतीय हैं। उनकी जीत में अहम बात यह भी है कि उन्होंने न सिर्फ चीन की चौथी वरीय हान कियान शी को हराया बल्कि एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी (14-21, 21-14, 21-14) की। असम की अश्मिता चालिहा गुवाहाटी स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में पार्क ताए-सांग के मार्गदर्शन में अभ्यास करती हैं। इस साल उन्होंने बीडब्ल्यूएफ टूर पर शानदार वापसी करते हुए चाइना मास्टर्स व मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल और फिर मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। भारतीय महिला खिलाड़ियों को इस साल मिली सफलता में यह बात भी खास है कि उन्होंने चीनी, ताइवानी और जापानी खिलाड़ियों के गढ़ में जाकर उन्हें शिकस्त दी है। अश्मिता ने क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान की हिना अकेची को धूल चटाई थी।

साई की जगह सरफराज 21 माह बाद टेस्ट टीम में

नई दिल्ली। साई सुदर्शन की जगह सरफराज खान को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने रविवार को यह जानकारी दी। उनकी 21 महीने बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

सरफराज ने पिछला मुकाबला नवंबर 2024 में वानखेड़े में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। मुंबई के मध्य क्रम के बल्लेबाज सरफराज गॉल में 15 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पूर्व टीम से जुड़ जाएंगे। सरफराज ने छह टेस्ट मैच में एक की मदद शतक से 371 रन बनाए हैं।

जूडोका अस्मिता डे का त्रिपुरा स्वागत करेगा

अगरतला। त्रिपुरा सरकार ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो में स्वर्ण पदक जीतने वाली अस्मिता डे का बुधवार से शुरू होने वाले दो दिवसीय दौरे के दौरान भव्य स्वागत करेगा। युवा मामले एवं खेल निदेशक एल डार्लोंग ने रविवार को बताया कि यह कार्यक्रम रवींद्र भवन में आयोजित किया जाएगा। अस्मिता राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली खिलाड़ी हैं। इससे पहले त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने नई दिल्ली में राज्य के खेल मंत्री टिंकू रॉय की उपस्थिति में अस्मिता को सम्मानित किया था।

नैनो न्यूज

- **रयबाकिना-गॉफ टोरंटो क्वार्टर फाइनल में** – एलेना रयबाकिना और कोको गॉफ ने कनाडियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।
- **भारत की टेनिस टीम का अगला मुकाबला कोरिया से** – डेविस कप के दूसरे क्वालीफायर राउंड में भारत को दक्षिण कोरिया की चुनौती मिलेगी।
- **बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप की तैयारियां तेज** – नई दिल्ली में 17 से 23 अगस्त तक इह्न विश्व चैंपियनशिप होगी, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों पर नजर रहेगी।
- **भारत की 2036 ओलंपिक दावेदारी को समर्थन** – इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख रिचर्ड गोल्ड ने भारत की ओलंपिक मेजबानी की महत्वाकांक्षा का समर्थन किया।
- **कराटे में जनमोनी कोंवर ने जीता स्वर्ण** – असम की युवा कराटे खिलाड़ी ने दिल्ली में गोल्ड जीतकर सुर्खियां बटोरीं।
- **अफगानिस्तान-आयरलैंड वनडे सीरीज जारी** – दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज 5 से 14 अगस्त तक खेली जा रही है।
- **पापुआ न्यू गिनी-थाईलैंड महिला टी20** – दोनों टीमों के बीच 10 अगस्त को पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला गया।
- **प्रीमियर लीग का नया सीजन जल्द** – इंग्लिश प्रीमियर लीग 2026-27 सीजन की शुरूआत 22 अगस्त से होगी।

बसंत कुमार और शाहनवाज खान की ऐतिहासिक उड़ान ने देश का मान बढ़ाया

एजेंसी ▸▸ यूजीन (अमेरिका)

बसंत कुमार मेघवाल विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप की ऊंची कूद स्पर्धा में और शाहनवाज खान लंबी कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। शाहनवाज खान ने लंबी कूद में 7.84 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। इससे भारत के लिए यह दिन यादगार बन गया। भारत के दो रजत सहित तीन पदक हो गए हैं।

राजस्थान के श्री गंगानगर जिले के सीमावर्ती शहर अनूपगढ़ के 19 वर्षीय मेघवाल ने शनिवार को 2.21 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ कूद के साथ रजत पदक जीता। अल्जीरिया के यूनेस अयाची ने स्वर्ण जबकि ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने कांस्य पदक जीता।

अयाची काउंटबैक नियम के आधार पर चैंपियन बने। तीनों पदक विजेता सिर्फ 2.21 मीटर की ऊंचाई तक कूद लगा सके और 2.24 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहे। ऐसी स्थिति में पिछली ऊंचाई को पार करने के प्रयासों की संख्या के आधार पर स्थानों का निर्धारण किया गया। अयाची ने पहले प्रयास में ही 2.21 मीटर जबकि मेघवाल और पूल ने क्रमशः दूसरे और तीसरे प्रयास में यह ऊंचाई हासिल की थी। भारतीय नौसेना में कार्यरत मेघवाल ने महिला ऊंची कूद की पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सहाना कुमारी से प्रशिक्षण लिया है। उन्होंने हांगकांग में हुई अंडार- 20 एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent
Middle School, Bhairavgar

जमीन बेचना है
ग्राम सुमराखेड़ा (तहसील तराना) में मेन रोड से एक खेत छोड़कर रेल पटरी से दक्षिण दिशा में भूमि खेत साढ़े तीन बीघा एवं बिड़ ढाई बीघा बेचना है।
संपर्क करें
940 6801069

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

किराए से देना है
ऑफिस किराए से देना है सी/21 नानाखेड़ा बस स्टैंड के सामने श्रीगंगा के ऊपर प्रथम मंजिल फ्रंट साईड लगभग 500 वर्ग फिट फाइनेंस कंपनी,या मोबाईल कंपनी को प्राथमिकता दी जावेगी
संपर्क करें - रवि गुप्ता
9926466157

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोन: 7869850570
9827832632

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोन: 7869850570
9827832632

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715,
9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की
(अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदन: 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल
36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बर:-2557390

तुरंत आवश्यकता है
1 ग्राम ज्वेलरी व आर्टिफिशियल ज्वेलरी की मार्केटिंग के लिए युवक-युवतियों की आवश्यकता है। वेतनमान 15000 से शुरु। ड्यूटी 8 घंटे। कार्य क्षेत्र सिर्फ उज्जैन शहर के लिए।
नोट: इच्छुक व्यक्ति एजेंसी लेने हेतु संपर्क करें।
बाबा डायरेक्ट मार्केटिंग कंपनी
मालीपुरा, उज्जैन
मोबाइल- 9981248359

न्यूज कॉलम

ट्राले की टक्कर से सरपंच के ससुर-देवर की मौत

झाबुआ। झाबुआ जिले के मेघनगर थाना क्षेत्र में सजेली फाटक के पास मंगलवार दोपहर 2.30 बजे तेज रफ्तार ट्राले ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार ट्राले के टायरों के नीचे दब गए। मृतकों की पहचान ग्राम पंचायत तलावली की सरपंच वनिता भूरिया के ससुर भाणजी भूरिया और देवर बहादुर भूरिया के रूप में हुई है। दोनों मेघनगर से बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सजेली फाटक के पास ट्राला ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

जेतपुरा में अतिक्रमण पर चली प्रशासन की जेसीबी

धार। धार जिले के जेतपुरा गांव में रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को प्रशासन ने सोमवार शाम हटाया। ग्रामीणों की शिकायत के बाद तहसीलदार के निर्देश पर जेसीबी की मदद से कार्रवाई की गई। इस दौरान नौगांव थाना पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। ग्रामीणों ने हाल ही में तहसीलदार को आवेदन देकर अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। आवेदन में बताया गया था कि ग्राम जेतपुरा की सर्वे क्रमांक 316 की भूमि पर रास्ते की ओर करीब तीन फीट तक अतिक्रमण किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, रास्ते पर अतिक्रमण कर खरंजा बना दिया गया था। मकान के आसपास पत्थर भी रख दिए गए थे। इससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही थी।

इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर रॉन्ग साइड दौड़ीं स्कूल बसें

धार। धार में इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार सुबह यातायात पुलिस ने रॉन्ग साइड चल रही स्कूल बसों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने मॉडर्न अकैडमी हायर सेकेंडरी स्कूल की दो बसों को रोककर चालान किया। दोनों बसों से कुल 4 हजार रुपए का समन शुल्क वसूला गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने बस संचालक और वाहन मालिक को मौके पर बुलाकर रॉन्ग साइड ड्राइविंग से होने वाले हादसों और उसके गंभीर परिणामों के बारे में समझाइश दी। मंगलवार सुबह यातायात पुलिस की टीम ने इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की जांच के दौरान स्कूल बसों को रॉन्ग साइड चलते हुए देखा।

धार में चोरी-चेन झपटमारी का खुलासा

पुलिस ने 2 वारदातें सुलझाईं, 7 आरोपी गिरफ्तार, 30 बोरी लहसुन समेत सोने की चेन और 2 वाहन बरामद

धार। धार पुलिस ने चोरी और चेन झपटमारी की दो अलग-अलग वारदातों का खुलासा किया है। दोनों मामलों में कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने 30 बोरी लहसुन, सोने की चेन, पेंडल, एक पिकअप वाहन और एक पल्सर बाइक बरामद की है। एसपी सचिन शर्मा ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। नौगांव थाना क्षेत्र के तोरनोद में 8 अगस्त को एक व्यक्ति ने मकान से लहसुन की बोरियां चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक, फरियादी के बयान और वीडियो रिकॉर्डिंग की जांच से 30 बोरी लहसुन चोरी होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। सबूतों के आधार पर 10 अगस्त को अनिल मावी, राहुल सबराया, रवि बमुनिया और मुकेश बामनिया को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की 30 बोरी लहसुन इंदौर ले जाकर एक व्यापारी को किसान बनकर बेचने की बात बताई। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने इंदौर की चोईथराम मंडी से लहसुन बरामद किया। बरामद 30 बोरी लहसुन की कीमत करीब 1 लाख 40 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अनिल मावी ने वारदात में पिकअप वाहन का इस्तेमाल किया था। पुलिस ने करीब 8 लाख रुपए कीमत का यह वाहन भी बरामद किया है।

नैनो न्यूज

- **इंदौर सराफा बाजार में तेजी** – कारोबार सप्ताह की शुरूआत में सोने-चांदी के भाव बढ़े हैं। हालांकि ग्राहकी फिलहाल सीमित बताई गई है, लेकिन रक्षाबंधन से पहले बाजार में मांग बढ़ने की उम्मीद है।
- **सोने-चांदी में देशभर में उछाल** – आज घरेलू बाजारों में कीमती धातुओं में तेज तेजी देखने को मिली है, जिसका असर इंदौर के सराफा कारोबार पर भी पड़ रहा है।
- **इंदौर के व्यापारियों की राखी सीजन पर नजर** – सराफा और अन्य बाजारों में त्योहार से पहले ग्राहकी बढ़ने की उम्मीद है। व्यापारियों को आगामी दिनों में बाजार में तेजी आने की संभावना है।
- **मसाला कारोबार में हल्दी पर नजर** – देश के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में मौसम और बीमारी से उत्पादन प्रभावित होने की खबरों के बीच हल्दी के भाव में आगे तेजी की संभावना जताई जा रही है।
- **इंदौर का औद्योगिक क्षेत्र निवेश का केंद्र** – प्रदेश में हुए औद्योगिक निवेश प्रस्तावों में इंदौर लगातार प्रमुख केंद्र बना हुआ है। उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोबाइल और अन्य क्षेत्रों में निवेश गतिविधियां जारी हैं।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान

खराब क्वालिटी की आशंका में 535 किलो घी-पनीर जब्त

सिंध डेयरी में बिना वैध निर्माण लाइसेंस बन रहा था पनीर-दही-घी, जांच रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोमवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कुल करीब 535 किलोग्राम खाद्य पदार्थ जब्त किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत तीन लाख रुपए से अधिक है। अधिकारियों ने अलग-अलग प्रतिष्ठानों से घी, पनीर, समोसे, चटनी सहित अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने भी जांच के लिए लिए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने चंदन नगर स्थित सिंध डेयरी फार्म, मुराई मोहल्ला का निरीक्षण किया। मौके पर प्रतिष्ठान प्रभारी दीपेश गुरनानी मौजूद मिले। निरीक्षण में यहां पनीर, दही और घी का निर्माण करने के साथ दूध, दही, पनीर और घी का थोक एवं रिटेल विक्रय पाया गया।

जांच के दौरान खाद्य पदार्थों के निर्माण के लिए वैध लाइसेंस उपलब्ध नहीं पाया गया। प्रतिष्ठान का लाइसेंस केवल थोक एवं रिटेल विक्रय के लिए वैध पाया गया। परिसर में घी प्लेन टिन में रखा मिला, जिस पर खाद्य पदार्थ से संबंधित आवश्यक जानकारी अंकित नहीं थी।

प्रतिष्ठान प्रभारी ने बताया कि कभी-कभी उनके यहां घी बनाया जाता है, जबकि मौके पर रखा घी बाहर से खरीदकर बिक्री के लिए लाया गया था। हालांकि, घी की खरीदी से संबंधित कोई बिल भी प्रस्तुत नहीं किया गया। अधिकारियों ने मौके से घी और पनीर के दो नमूने जांच के लिए लिए। गुणवत्ता संदिग्ध पाए जाने पर करीब 149 किलो घी और 103 किलो पनीर जब्त कर लिया गया। वहीं, वैध निर्माण लाइसेंस नहीं होने के कारण प्रतिष्ठान में खाद्य पदार्थों का निर्माण कार्य लाइसेंस प्राप्त होने तक तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया।

पालदा में 255 किलो घी सील

इसी अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की एक अन्य टीम ने पालदा बारदान मंडी स्थित नारायण इंटरप्राइजेज का निरीक्षण किया। यहां किंग घी और राधा माधव घी के दो नमूने जांच के लिए लिए गए। मौके पर 15 किलो क्षमता के 17 डिब्बों में करीब 255 किलो घी रखा मिला। गुणवत्ता संदिग्ध होने पर इसे जांच रिपोर्ट आने तक जब्त कर लिया गया। जब्त घी की अनुमानित कीमत 1.53 लाख रुपए बताई गई है।

सियागंज में 28 किलो घी सील

एक अन्य कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सियागंज स्थित मैसर्स कमलेश ट्रेडर्स, संचालक कमलेश गुप्ता, का औचक निरीक्षण किया। यहां महीसागर घी, निमार्ता तिरुपति फूड प्रोडक्ट, गांधीनगर, गुजरात का नमूना जांच के लिए लिया गया।

जेल से छूटने के बाद पीथमपुर में डेरा डाला

2 कार और अवैध हथियार के साथ आरोपी गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

राजेंद्र नगर इलाके में लगातार कार चोरी की वारदातें हो रही थीं। इसे लेकर डीसीपी जोन-1 नरेंद्र रावत ने टीम बनाई थी। पुलिस ने लगातार सीसीटीवी फुटेज खंगाले और कार चोरी करने वाले तोफिक और उसके एक साथी को पकड़ लिया। आरोपी नन्हे खां और एक और आरोपी सउदी से जुड़े बताए जा रहे हैं। दोनों पहले भंवरकुआं पुलिस और क्राइम ब्रांच के हाथ भी लग चुके हैं।

पुलिस ने आरोपियों से अब तक दो कारें बरामद की हैं। आरोपियों के पास पिस्टल भी मिली हैं। पुलिस के मुताबिक, वे पुलिस से मुठभेड़ की

स्थिति में इस्तेमाल के लिए हथियार रखते थे। पुलिस ने उनके पास से अवैध हथियार जब्त किए हैं। आरोपियों ने पहले परस्पर नगर में सप्लायर मुकुल कुमार त्यागी की स्विफ्ट कार चुराई थी। कार चोरी करने से पहले उन्होंने इलाके की बिजली बंद कर दी थी। इसके बाद कार लेकर फरार हो गए थे। आरोपियों ने ईशान मंडलाई निवासी की विज्ञान नगर से कार भी चुराई थी। इसके अलावा दामोदर नगर से एक और कार चोरी की थी। पुलिस ने इस मामले में अब तक कारें और अवैध हथियार बरामद किए हैं।

मेरठ और प्रतापगढ़ में सक्रिय है गैंग

राजेंद्र नगर पुलिस ने जिस गैंग के बदमाशों को पकड़ा है, वह उत्तर प्रदेश के मेरठ और प्रतापगढ़ में सक्रिय है। गैंग एक जैसे मॉडल की कारों को निशाना बनाती है। करीब 6 साल पहले गैंग से जुड़े बदमाशों ने भागने के दौरान दो पुलिसकर्मियों पर कार चढ़ा दी थी। इस दौरान गैंग से जुड़े एक बदमाश को पकड़ा गया था। बाद में क्राइम ब्रांच की टीम ने भी इस गैंग से जुड़े आरोपियों को 11 कारों के साथ पकड़ा था। राजेन्द्रनगर पुलिस ने फिलहाल इमरान नसीमुद्दीन मोहम्मद तोफीक,राजीव सुरी ओर वर्षा को पकड़ा है। हालाकि पंजाब ओर यूपी मे वाहन भेजने की बात आरोपियो ने कबूली है। उन्हे जब्ती के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रादेशिक पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं महारुद्राभिषेक का आयोजन

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

मप्र नागर ब्राह्मण महिला परिषद के तत्वावधान में श्रावण कृष्ण एकादशी के पावन अवसर पर इंदौर स्थित गणेश मंदिर, खजराना परिसर में प्रादेशिक पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं महारुद्राभिषेक का भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। धार्मिक आयोजन में मध्यप्रदेश सहित राजस्थान और दुबई से भी बड़ी संख्या में नागर समाजजन शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं विधि-विधान से पूजन के साथ हुआ। समाज के आचार्य पंडित उमाशंकर नागर ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महारुद्राभिषेक संपन्न कराया। इस दौरान भगवान हाटकेश्वर एवं भगवान गणेश की आराधना कर समाज की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की गई। महिला परिषद की प्रदेश अध्यक्ष सोनिया मण्डलोई ने आयोजन की सफलता के लिए प्रदेश अध्यक्ष केदार रावल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सहयोग से महिला परिषद के धार्मिक आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहन मिलता है।

ऑनलाइन कमाई का झांसा देकर कर्मचारी से 1.19 लाख रुपये ठगे

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

कनाड़िया इलाके में निजी कंपनी के कर्मचारी से ऑनलाइन कमाई के नाम पर 1.19 लाख रुपए से अधिक की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले उसे अचानक वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा। इसके बाद टास्क पूरा करने और ट्रेडिंग के जरिए कमाई का झांसा देकर अलग-अलग खातों में रुपए जमा करवाए। बाद में रुपए निकालने के लिए और ट्रेडिंग करने की बात कही गई, तब पीड़ित को ठगी का पता चला। कनाड़िया पुलिस के मुताबिक, मोहम्मद अनवर बक्श निजी कंपनी में काम करते हैं। 5 अगस्त को उन्हें अचानक वॉट्सऐप ग्रुप डीडीएसी2-12 में जोड़ा गया। ग्रुप में एक नंबर से मैसेज आया। इसमें भेजने वाली ने अपना नाम काव्या बताते हुए खुद को ग्रुप की एचआर प्रतिनिधि बताया। उसने कहा कि वे ब्रेन वर्क इंडिया नाम से प्रोग्राम चलाते हैं, जिसमें कमाई के कई मौके दिए जाते हैं। इसके बाद काव्या ने एक टास्क दिया। इसमें 120 रुपए के रेटिंग टास्क पूरे कर उनके स्क्रीनशॉट दिए गए नंबरों पर भेजने को कहा गया। अनवर ने तीन-चार बार टास्क पूरा किया। इसके बाद दूसरे नंबर से उनसे नाम-पता पूछा गया और टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ने की जानकारी ली गई।

हिस्ट्रीशीटर बदमाश ने रील बनाई

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

द्वारकापुरी इलाके के हिस्ट्रीशीटर और ड्रग माफिया चेतननाथ का एक वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है। सोमवार को राजेंद्र नगर पुलिस अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त के पुराने मामले में उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेने जिला कोर्ट पहुंची थी। इसी दौरान उसके परिवारवालों ने पुलिसकर्मियों के सामने ही उसकी रील बनाई। बाद में रील को उसके भतीजे के अकाउंट से धमकी भरे कैप्शन के साथ पोस्ट किया गया। वायरल रील में एक ऑडियो लगाया गया है। जिसमें कहा जा रहा है कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करती है और छोड़ देती है। वह जेल के अंदर से ही पूरा सिस्टम चलाने की बात भी कहता है। यह वीडियो कोर्ट परिसर में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में बनाया गया था। राजेंद्र नगर पुलिस सोमवार को अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त के मामले में चेतननाथ का प्रोडक्शन वारंट लेने जिला कोर्ट पहुंची थी। पेशी के दौरान उसकी बहन सीमा नाथ भी उससे मिलने कोर्ट पहुंची थी।

मंगेतर से बात के बाद इंदौर का इंजीनियर लापता

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

बेंगलुरु के नेलामंगला स्थित शिवगंगे पहाड़ियों में ट्रैकिंग के लिए गए इंदौर के 31 वर्षीय अद्वैत उपाध्याय का पांचवें दिन भी कोई सुराग नहीं मिला है। शुक्रवार सुबह पहाड़ी पर जाने से पहले उन्होंने करीब 8:30 बजे अपनी मंगेतर से फोन पर बात की थी। इसके कुछ देर बाद मोबाइल बंद हो गया और परिवार से संपर्क टूट गया। अद्वैत परिवार के इकलौते बेटे हैं। उनके पिता प्रमोद उपाध्याय इंदौर में प्रोफेसर थे और 2016 में हार्ट अटैक से उनकी मौत हो गई थी। फिलहाल परिवार में अद्वैत और उनकी मां ही हैं। अद्वैत लंबे समय से बेंगलुरु में एक फाइनेंस कंपनी में बतौर इंजीनियर काम कर रहे थे। अद्वैत की मां बेटे के लापता होने के बाद बेहद चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि बेटे के गायब होने के बाद से उन्हें उसकी चिंता सता रही है।

54.70 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ ऑटो ड्राइवर गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

इंदौर क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को एमआर-04 आमरोड़, परदेशीपुरा स्थित भंडारी ब्रिज के नीचे कार्रवाई करते हुए 54.70 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान दानिश शेख (26) निवासी आजादनगर, इंदौर के रूप में हुई है। टीम के मुताबिक जब्त ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 5.40 लाख रुपए है। क्राइम ब्रांच की टीम मंगलवार को गश्त और संदिग्धों की तलाश में भंडारी ब्रिज के नीचे मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक पैदल आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह घबरा गया। संदेह होने पर टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। उसकी तलाशी ली तो उसके लोअर की जेब से सफेद पन्नी मिली। जिसमें 54.70 ग्राम एमडी ड्रग्स होना पाया गया।

जर्जर भवन पर चली निगम की जेसीबी

करीब 100 साल से ज्यादा पुराना हो चुका था भवन

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

नगर निगम द्वारा जर्जर मकानों पर लगातार कार्रवाइयां की जा रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को भी नगर निगम ने एक जर्जर मकान पर कार्रवाई करते हुए उसे जमींदोज किया। यहां पर एक नया प्रोजेक्ट आ रहा है, जो सांसद निधि से बनना है।

ये भवन काफी जर्जर हालत में था और करीब 100 साल पुराना था। हालांकि यहां पर एक चौकीदार की फैमिली रहती थी, मगर नोटिस देकर इसे खाली करा लिया गया था। जिसके बाद आज निगम ने ये कार्रवाई की।

नगर निगम का अमला झोन क्रमांक 2 वार्ड क्रमांक 67 में स्थित जयरामपुर कॉलोनी में दलबल के साथ पहुंचा। निगम की जेसीबी से जर्जर भवन को जमींदोज करने की कार्रवाई शुरू की गई। भवन अधिकारी पल्लवी पाल ने बताया कि जयरामपुर कॉलोनी में निगम ने निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल के आदेश पर ये कार्रवाई की है।

यहां पर रजिस्टर्ड शासकीय नारी शाला

का पुराना जर्जर मकान था। जिसे तोड़ा गया है। यहां पर एक नया प्रोजेक्ट आ रहा है, जो सांसद निधि से तैयार होगा। यहां पर चौकीदारी की फैमिली रहती थी, जिन्हें नोटिस देकर जगह खाली करा ली गई थी। फिर ये कार्रवाई की गई। हालांकि यहां किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि यह सिंधी समाज समिति के अधीन करीब 100 साल पुराना भवन था।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com